राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण रविवार 01 फरवरी 2026 वर्ष-9,अंक-09 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आम बजट आज, मिडिल क्लास को बड़ी उम्मीदें

● टैक्स कट,डिफेंस और हेल्थकेयर में हो सकती है राहत की बारिश ● किसानों,शिक्षा और रेलवे से जुड़े बड़े ऐलान की है जनता को उम्मीद

नई दिल्ली (एजेंसी)। कल 1 फरवरी को पेश होने वाला आम बजट प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार के मौजूदा कार्यकाल का एक अहम बजट माना जा रहा है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण कल सुबह 11 बजे संसद में ये बजट पेश करेंगी। पिछले साल का बजट एक लोकप्रिय बजट माना जाता है जिसमे मिडिल क्लास को बड़ी राहत मिली थी। इस बजट में इनकम टैक्स में छूट, सैलरीड क्लास के लिए स्टैंडर्ड डिडक्शन, किसान क्रेडिट कार्ड की लिमिट बढ़ाने, सस्ती दवाओं और इंश्योरेंस सेक्टर में सुधार जैसे बड़े फैसले लिए गए थे। इस साल सरकार का ध्यान अर्थव्यवस्था पर है। बता दें कि भारतीय शेयर बाजार में भी कल आम दिनों की तरह ही कारोबार होगा। बजट के चलते नेशनल स्टॉक एक्सचेंज और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज 1 फरवरी 2026 को रविवार को खुला रहेगा। इंडस्ट्री के तमाम स्टेकहोल्डर्स सरकार के साथ अपनी अपेक्षाएं साझा कर रहे हैं और उम्मीद जता रहे हैं कि आने वाले बजट में इन प्राथमिकताओं को शामिल किया जाएगा।

सोने-चांदी पर लागू कस्टम ड्यूटी में होगी कटौती?

बजट 2026 में क्या सरकार सोने-चांदी पर लागू कस्टम ड्यूटी में कटौती करेगी और अगर ऐसा हुआ तो क्या घरेलू बाजार में कीमतें सचमुच नीचे आएंगी। पिछले कुछ सालों के बजट फैसलों को देखें तो साफ होता है कि कस्टम ड्यूटी में बदलाव का असर सीधे तौर पर सोने-चांदी के दाम पर पड़ता है, लेकिन यह असर हमेशा लंबे समय तक टिके, ऐसा जरूरी नहीं होता।

रविवार को खुला रहेगा शेयर बाजार

रविवार को पेश होने वाले आम बजट के दिन शेयर बाजार खुला रहेगा। बता दें कि बजट अगर शनिवार या रविवार को पड़ता है तो भी शेयर बाजार में लाइव ट्रेडिंग सेशन आयोजित होते हैं। हाल ही में एनएसई ने एक सर्कुलर में कहा था कि रविवार को 1 फरवरी 2026 को बजट वाले दिन सुबह 9.15 बजे से दोपहर 3.30 बजे तक शेयर बाजार खुले रहेंगे। लेकिन यह एक सेटलमेंट हॉलीडे है, इसलिए 30 जनवरी को खरीदे जने वाला कोई भी शेयर 1 फरवरी को बेचा नहीं जा सकेगा।

पान मसाला और तंबाकू होंगे महंगे

1 फरवरी 2026 से पान-मसाला, सिगरेट और तंबाकू प्रोडक्ट का सेवन आपकी जेब पर भारी पड़ने वाला है। सरकार इन प्रोडक्ट पर टैक्स बढ़ाने की तैयारी में है, जिसके चलते इनकी कीमतों में उछाल आना तय है। यह अतिरिक्त बोझ सामान्य जीएसटी से अलग होगा। इसमें मुख्य रूप से उत्पाद शुल्क और उपकर में वृद्धि की जाएगी, जिससे इन प्रोडक्ट की लागत बढ़ जाएगी। एचडीएफसी या आईसीआईसीआई बैंक भी अपने क्रेडिट कार्ड से जुड़े कुछ नियम 1 फरवरी से बदल रहे हैं।

गगनयान कार्यक्रम को 2027 में शुरू करने की योजना : इसरो

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष वी नारायणन ने कहा है कि इसरो 2027 में निर्धारित अपने महत्वाकांक्षी गगनयान मिशन के पहले मानवरहित मिशन की दिशा में काम कर रहा है। गगनयान मिशन भारत का पहला मानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम है, इसपर वर्तमान में काम हो रहा है। इसका उद्देश्य तीन सदस्यीय दल को तीन दिवसीय अंतरिक्ष मिशन पर भेजना और उन्हें सुरक्षित रूप से धरती पर वापस लाना है। इसरो प्रमुख ने कहा, गगनयान कार्यक्रम को 2027 में शुरू करने की योजना है। इसके पहले तीन मानवरहित मिशन की योजना बनाई गई है। हम पहले मानवरहित मिशन की दिशा में काम कर रहे हैं। नारायणन ने कहा कि वर्तमान में वैज्ञानिक इस मिशन की सफलता के लिए कई परीक्षण करने में लगे हुए हैं। उन्होंने कहा, कई परीक्षण इस लेकर जारी हैं। आप जानते हैं कि गगनयात्रा की सुरक्षा बेहद महत्वपूर्ण है। इसलिए हमें बहुत सावधानी बरतनी होगी। हमें हर प्रणाली की गुणवत्ता की जांच करनी होगी। रॉकेट प्रणाली में हमें शत प्रतिशत अंक प्राप्त करने है। नारायणन ने कहा, हमारा लक्ष्य (गगनयान की सफलता) है। हमें इस मिशन को बेहतरीन तरीके से करना है। हम उसी दिशा में काम कर रहे हैं। पीएसएलवी-सी62 मिशन के बारे में उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक मिशन में हर चीज का अध्ययन कर रहे हैं ताकि सबकुछ ठीक तरीके से किया जा सके। 12 जनवरी को प्रक्षेपण के बाद रॉकेट के तीसरे चरण में गड़बड़ी आ गई थी जिसके बाद वैज्ञानिकों ने मिशन का विस्तृत विश्लेषण शुरू किया है।

फास्टैग के लिए नो योर व्हीकल प्रोसेस खत्म

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई कार, जीप और वैन के लिए 1 फरवरी से फास्टैग जारी करते समय अब नो योर व्हीकल प्रोसेस की जरूरत नहीं होगी। नेशनल हाईवेज अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने नई कार के लिए नो योर व्हीकल प्रोसेस बंद करने का फैसला किया है। साथ ही, जिन कारों पर पहले से फास्टैग लगा है, उनके मालिकों को भी अब रुटीन नो योर व्हीकल कराने की जरूरत नहीं होगी। इससे वाहन मालिकों को वैलिड डॉक्युमेंट होने के बावजूद लंबी वेरिफिकेशन प्रक्रिया के लिए इंतजार नहीं करना पड़ेगा। सरकार के इस कदम का उद्देश्य फास्टैग एक्टिव होने के बाद होने वाली परेशानी को खत्म करना है। पहले यूजर्स को अक्सर शिकायत रहती थी कि टैग एक्टिव होने के बाद भी बैंक या अथॉरिटी की ओर से वेरिफिकेशन के नाम पर देरी की जाती है। नई गाइडलाइन के बाद अब फास्टैग को बार-बार अपडेट करने की जरूरत खत्म हो जाएगी।

केरल में यूडीएफ की जीत के लिए दिन-रात काम करूंगा, शशि थरूर ने कहा आल इज वेल

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा कि वह केरल में होने वाले विधानसभा चुनाव में सिर्फ अपनी पार्टी और उसके नेतृत्व वाले यूडीएफ गठबंधन की जीत देखना चाहते हैं। सांसद थरूर ने कहा कि वह अपनी पार्टी और संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) की जीत के लिए प्रचार करुंगा। उन्होंने फिर कहा कि उनकी सिर्फ एक ही पार्टी है कांग्रेस और मीडिया को अब ये सवाल बार-बार पूछना बंद करना चाहिए। तिरुवनंतपुरम से कांग्रेस सांसद थरुर ने कहा कि वह कांग्रेस में ही रहने वाले और कहीं नहीं जा रहे हैं। उन्होंने कहा, मैं (केरल में) चुनाव प्रचार का हिस्सा बनूंगा और यूडीएफ की जीत के लिए दिन-रात काम करूंगा। थरूर ने अपनी शिकायतों के समाधान के लिए पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी से मुलाकात की, इसके बाद उन्होंने कहा कि सब ठीक है और सब एक साथ हैं। थरूर हाल ही में कोच्चि में कार्यक्रम में उनके साथ हुए व्यवहार और केरल में कुछ नेताओं द्वारा उन्हें दरकिनार करने के प्रयासों से नाराज थे। यह मुलाकात केरल विधानसभा चुनाव से पहले हुई, जो कांग्रेस के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। कांग्रेस पिछले 10 साल से राज्य में विपक्ष में है और इस बार वह जीत हासिल करने के लिए हरसंभव प्रयास में जुटी है।

गोवा पहुंचे नितिन नवीन, कार्यकर्ताओं को हर मतदान केंद्र पर करीब 50 प्रतिशत मत का लक्ष्य दिया

पणजी (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने गोवा में शनिवार को पार्टी कार्यकर्ताओं से बूथ से लेकर राज्य स्तर तक संगठन को मजबूत करने और 2027 के विधानसभा चुनाव में हर मतदान केंद्र पर करीब 50 प्रतिशत मत हासिल करने का लक्ष्य तय किया है। पणजी के निकट कार्यकर्ताओं के सम्मेलन को संबोधित कर नए राष्ट्रीय अध्यक्ष नवीन ने कहा कि 2027 के चुनाव विकसित गोवा के दृष्टिकोण को साकार करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम होगा। उन्होंने कहा कि राज्य की विकास यात्रा जारी रखने के लिए गोवा में एक स्थिर सरकार जरुरी है। उन्होंने कहा कि बूथ प्रमुख पार्टी के संगठन में सबसे महत्वपूर्ण व्यक्ति होते हैं। नवीन ने 2027 के चुनाव में हर मतदान केंद्र पर करीब 50 प्रतिशत मत हासिल करने का लक्ष्य निर्धारित करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि गोवा की प्रति व्यक्ति आय 2014 में 1.12 लाख से बढ़कर 2023-24 में करीब 3 लाख रुपये हो गई है। भाजपा अध्यक्ष नवीन ने दो हवाई अड्डों, विस्तारित एक्सप्रेसवे, राष्ट्रीय राजमार्गों और फ्लाईओवर सहित बुनियादी ढांचे के विकास का भी उल्लेख किया और कार्यकर्ताओं से गोवा की बदली तस्वीर के बारे में लोगों तक जानकारी पहुंचाने का आग्रह किया।

पश्चिम बंगाल दौरे पर बोले शाह- 2026 टीएमसी को टाटा बाय-बाय कहने का साल

-जो घुसपैठिये एसआईआर से बच रहेंगे उन्हें भाजपा का सीएम बनते ही निकाला जाएगा

कोलकाता (एजेंसी)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने पश्चिम बंगाल की ममता बनर्जी सरकार पर घुसपैठियों को संरक्षण देने का आरोप लगाते हुए बड़ा राजनीतिक हमला बोला है। उत्तर 24 परगना जिले में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के जरिए घुसपैठियों को बाहर किया जाएगा और अगर कोई बच भी गया, तो भाजपा का मुख्यमंत्री बनते ही उसे भी राज्य से बाहर किया जाएगा। उन्होंने कहा कि साल 2026 तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) को ÷टाटा, बाय-बाय÷ कहने का साल साबित होगा।

दो दिवसीय दौरे पर पश्चिम बंगाल पहुंचे अमित शाह ने कहा कि ममता बनर्जी सरकार अवैध घुसपैठियों को वोट बैंक के तौर पर इस्तेमाल कर रही है, लेकिन बंगाल की जनता अब सब समझ चुकी है। उन्होंने दावा किया कि राज्य की जनता टीएमसी को उखाड़ फेंकने के लिए पूरी तरह तैयार है और उसकी विदाई का समय आ गया है। शाह ने ममता बनर्जी को

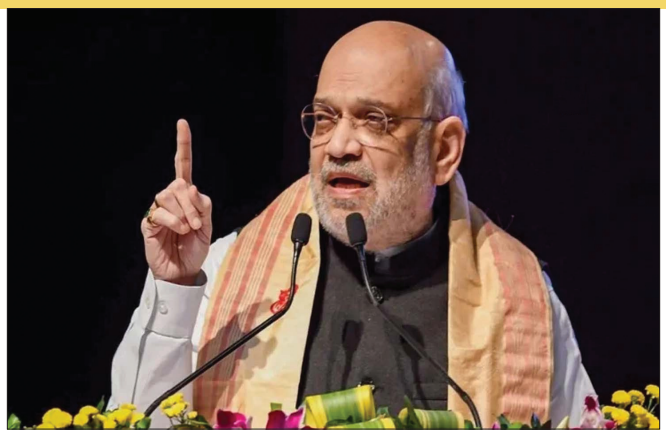

चुनौती देते हुए कहा कि वह एसआईआर का जितना विरोध करना चाहें कर लें, लेकिन मतदाता सूची से घुसपैठियों को हटाना तय है।

अपने भाषण में शाह ने भाजपा की चुनावी सफलताओं का जिक्र करते हुए कहा कि 2024 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगातार तीसरी बार देश के प्रधानमंत्री बने। इसके बाद आंध्र प्रदेश, ओडिशा और अरुणाचल प्रदेश में भाजपा की सरकार बनी। उन्होंने दावा किया कि 2025 में हरियाणा, महाराष्ट्र और दिल्ली में भी लंबे अंतराल के बाद भाजपा सत्ता में लौटी और साल के अंत तक बिहार में भी एनडीए ने प्रचंड बहुमत हासिल किया। शाह ने कहा कि यही सिलसिला 2026 में पश्चिम बंगाल में भी दोहराया जाएगा।

गृहमंत्री ने 'वंदे मातरम्' का मुद्दा उठाते हुए कहा कि यह नारा आजादी की लड़ाई में शहीदों के अंतिम शब्दों में शामिल था। मोदी सरकार ने वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूरे होने पर देशव्यापी कार्यक्रमों का निर्णय लिया है, लेकिन विडंबना यह है कि बंगाल की धरती से जन्मे इस गीत पर संसद में चर्चा के दौरान ममता बनर्जी के सांसदों ने विरोध किया।

शाह ने आनंदपुर में हाल ही में लगी आग को लेकर भी ममता सरकार को कठघरे में खड़ा किया। उन्होंने कहा कि 26 जनवरी को एक फैक्ट्री में लगी आग कोई हादसा नहीं थी, जिसमें 25 लोगों की मौत हुई और 27 लोग अब भी लापता हैं। शाह ने आरोप लगाया कि इस मामले में सत्ताधारी दल से जुड़े लोग शामिल हैं और अगर ममता बनर्जी इसे दबाने की कोशिश करेंगी, तो भाजपा की सरकार बनने के बाद दोषियों को चुन-चुनकर जेल भेजा जाएगा।

अरब विदेश मंत्रियों से पीएम मोदी ने की मुलाकात, ऐतिहासिक संबंधों और सहयोग बढ़ाने पर दिया जोर

नई दिल्ली(एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत-अरब विदेश मंत्रियों की मीटिंग के दूसरे राउंड में शामिल होने वाले विदेश मंत्रियों से शनिवार को भारत मंडपम में मुलाकात की। इस दौरान पीएम मोदी ने भारत और अरब दुनिया के बीच गहरे और ऐतिहासिक लोगों के बीच संबंधों पर जोर दिया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अरब देशों के विदेश मंत्रियों, लीग ऑफ अरब स्टेट्स (एलएएस) के सेक्रेटरी जनरल और अरब देशों के प्रमुखों के एक प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की। अरब लीग के प्रमुख दूसरी भारत-अरब विदेश मंत्रियों की मीटिंग में शामिल होने के लिए भारत आए हैं।

दूसरे आईएएफएमएम में पीएम मोदी ने व्यापार और निवेश, ऊर्जा, तकनीक, स्वास्थ्य और दूसरे क्षेत्रों में सहयोग को गहरा करने के लिए भारत की प्रतिबद्धता को दोहराया। इस दौरान प्रधानमंत्री ने फिलिस्तीन के लोगों के लिए भारत के लगातार समर्थन को दोहराया और गाजा शांति योजना समेत चल रहे शांति प्रयासों का स्वागत भी किया।

प्रधानमंत्री ने भारत और अरब देशों में लोगों के बीच गहरे और ऐतिहासिक संबंधों को बढ़ाने पर जोर दिया। उन्होंने आने वाले वर्षों में भारत-अरब साझेदारी के लिए अपने दृष्टिकोण के बारे में बताया और आपसी फायदे के लिए सभी जरूरी क्षेत्रों में सहयोग को और गहरा करने की भारत की प्रतिबद्धता को फिर से सुनिश्चित किया।

पीएम मोदी ने फिलिस्तीन के लोगों के लिए भारत के लगातार समर्थन को दोहराया और गाजा पीस प्लान समेत चल रही शांति

कोशिशों का स्वागत किया। इस दौरान उन्होंने इलाके में शांति और स्थिरता की कोशिशों में अरब लीग की अहम भूमिका की सराहना की।

इस उच्च स्तरीय बैठक की सहअध्यक्षता भारत और यूएई करेंगे और इसमें अरब लीग के सभी 22 सदस्य देशों के विदेश मंत्री और वरिष्ठ प्रतिनिधि अरब लीग के प्रमुख के साथ शामिल होंगे।

एमईए के अनुसार यह बैठक लगभग एक दशक के लंबे समय के बाद हो रही है। इससे पहले भारत-अरब विदेश मंत्रियों की बैठक 2016 में बहरीन में हुई थी। विदेश मंत्रालय ने अपनी आधिकारिक रिलीज में कहा, 'दूसरी भारत-अरब एफएमएम से हमारे मौजूदा सहयोग को और आगे बढ़ाने, इस साझेदारी को बढ़ाने और गहरा करने की उम्मीद है।'

-महाराष्ट्र को मिली पहली महिला उपमुख्यमंत्री

अजित के निधन के चौथे दिन पत्नी सुनेत्रा बनीं डिप्टी सीएम

मुंबई, (एजेंसी)। महाराष्ट्र की राजनीति में शनिवार को एक ऐतिहासिक और भावनात्मक मोड़ देखने को मिला, जब दिवंगत अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार ने राज्य की पहली महिला उपमुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने मुंबई स्थित लोकभवन में उन्हें पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। पूरा शपथ ग्रहण समारोह करीब 12 मिनट तक चला। इस मौके पर कई वरिष्ठ मंत्री और अधिकारी मौजूद रहे, लेकिन राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार गुट) के प्रमुख शरद पवार की गैरमौजूदगी राजनीतिक हलकों में चर्चा का विषय बनी रही।

सुनेत्रा पवार का शपथ ग्रहण ऐसे समय में हुआ है, जबकि राज्य की राजनीति शोक और अस्थिरता के दौर से गुजर रही है। चार दिन पहले, 28 जनवरी को बारामती में हुए एक दर्दनाक प्लेन क्रैश में उपमुख्यमंत्री अजित पवार का निधन हो गया था। उनके अचानक चले जाने से न सिर्फ पवार परिवार, बल्कि पूरे राज्य में शोक की लहर दौड़ गई थी। उनके निधन के बाद डिप्टी सीएम का पद रिक्त हो गया था, जिसे भरने को लेकर सत्तारूढ़ गठबंधन के भीतर गहन मंथन चल रहा था। शनिवार सुबह राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के विधायक दल और विधान परिषद सदस्यों की एक अहम बैठक विधान भवन में बुलाई गई। दोपहर को संपन्न हुई बैठक में सर्वसम्मति से सुनेत्रा पवार को पार्टी नेता चुना गया। इसके तुरंत बाद उनके उपमुख्यमंत्री बनाए जाने का रास्ता साफ हो गया। जानकारी अनुसार शपथ ग्रहण से पहले सुनेत्रा पवार ने राज्यसभा सांसद पद से इस्तीफा दे दिया, जिसे उपराष्ट्रपति और राज्यसभा सभापति ने स्वीकार कर लिया। सुनेत्रा पवार का राजनीतिक सफर अपेक्षाकृत नया माना जाता है, लेकिन उन्हें संगठनात्मक मामलों और सामाजिक गतिविधियों का अच्छा अनुभव है। अजित पवार के साथ लंबे समय तक सक्रिय राजनीति में रहने के कारण वह प्रशासनिक और राजनीतिक प्रक्रियाओं से भली-भांति परिचित रही हैं। पार्टी नेताओं का कहना है कि यह फैसला न सिर्फ संवेदनशील हालात में स्थिरता बनाए रखने के लिए लिया गया है, बल्कि पवार परिवार की राजनीतिक विरासत को आगे बढ़ाने का भी संकेत है।

हालांकि, शरद पवार का शपथ ग्रहण समारोह में शामिल न होना कई तरह के कयासों को जन्म दे रहा है। इसे पारिवारिक शोक से जोड़कर भी देखा जा रहा है, तो कुछ इसे राजनीतिक मतभेदों का संकेत मान रहे हैं। कुल मिलाकर, सुनेत्रा पवार का डिप्टी सीएम बनना महाराष्ट्र की राजनीति में एक नया अध्याय है। एक ओर यह राज्य को पहली महिला उपमुख्यमंत्री देता है, तो दूसरी ओर यह सत्ता और संवेदना के बीच संतुलन बनाने की एक बड़ी राजनीतिक परीक्षा भी साबित होगी।

तिरुपति लड्डू में बीफ या सूअर की चर्बी नहीं, सिंथेटिक घी आस्था के साथ धोखा

-सीबीआई की अंतिम चार्जशीट ने कई परतें खोली, आरोपों का सच आया सामने

नेल्लोर (एजेंसी)। तिरुपति में मंदिर, प्रसाद और पवित्रता तीनों एक साथ चर्चा के केंद्र में आ गए। आरोप लगे कि लड्डू बनाने में इस्तेमाल होने वाले घी में बीफ या सूअर की चर्बी मिलाई गई है। बहस तेज हुई, सियासत गरमाई और लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। भक्तों के मन में डर बैठ गया। सवाल एक ही था क्या तिरुपति जैसे पवित्र स्थान पर आस्था के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है? इसी बेचैनी के बीच सीबीआई की जांच शुरू हुई और अब चार्जशीट सामने आ चुकी है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सीबीआई की अंतिम चार्जशीट ने कई परतें खोली हैं। आरोपों का सच सामने आया है। रिपोर्ट के मुताबिक साफ शब्दों में कहा गया है कि तिरुपति लड्डू में न तो बीफ टैलो था और न ही सूअर की चर्बी, लेकिन कहानी यहीं खत्म नहीं होती। जांच बताती है कि घी शुद्ध भी नहीं था। असली दूध से बना घी नहीं बल्कि केमिकल और वेजिटेबल ऑयल से तैयार 'सिंथेटिक' घी इस्तेमाल किया गया था यानी आस्था पर चोट हुई, लेकिन जिस तरह का डर दिखाया गया वह सही नहीं था। सच इससे ज्यादा चौंकाने वाला है।

सीबीआई ने 23 जनवरी को कोर्ट में चार्जशीट दाखिल की। इसमें बताया गया कि 2019 से 2024 के बीच तिरुमला तिरुपति देवस्थानम को सप्लाई किया गया घी जानवरों की चर्बी से नहीं बना था। जांच में पाया गया कि घी में वेजिटेबल ऑयल और लैब में तैयार किए गए एस्टर्स मिलाए गए थे ताकि यह शुद्ध देसी घी जैसा दिखे और टेस्ट में पास हो जाए। सीबीआई के मुताबिक बीफ टैलो या लार्ड की मौजूदगी का कोई सबूत नहीं मिला। सीबीआई जांच में सबसे बड़ा खुलासा सप्लाई चेन को लेकर हुआ। उत्तराखंड के भगवानपुर स्थित भोले बाबा ऑर्गेनिक डेयरी को मुख्य सप्लायर बताया गया। जांच में सामने आया कि इस डेयरी ने 2019 से 2024 के बीच न तो दूध खरीदा और न ही मक्खन बनाया। इसके बावजूद टीटीडी को करीब 68 किलो 'घी' सप्लाई किया गया। इस घी की कुल कीमत करीब 250 करोड़ रुपए आंकी गई। जांच एजेंसी ने इसे 'वर्चुअल मैन्युफैक्चरिंग यूनिट' करार दिया।

रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि कैसे टीटीडी की क्वालिटी मॉनिटरिंग सिस्टम को धोखा दिया गया। घी की शुद्धता जांचने के लिए राइशर्ट-मैसल वैल्यू देखी जाती है। इसे बढ़ाने के लिए पाम ऑयल, पाम कर्नेल ऑयल और पामोलिन का इस्तेमाल किया गया। इसके बाद दिल्ली के एक सप्लायर से लिए गए एसीटिक एसिड एस्टर्स मिलाए गए, ताकि टेस्ट में घी शुद्ध लगे। रंग के लिए बीटा कैरोटीन और खुशबू के लिए आर्टिफिशियल फ्लेवर डाला गया।

इस मामले में कुल 36 लोगों को आरोपी बनाया गया है। इसमें टीटीडी के पूर्व जीएम, डेयरी के डायरेक्टर और अन्य बिचौलिये शामिल हैं। चार्जशीट दाखिल हो चुकी है। अब कोर्ट में ट्रायल चलेगा और दोषियों पर कानूनी कार्रवाई तय होगी। सीबीआई रिपोर्ट ने एक डर को खत्म किया लेकिन कई सवाल छोड़ दिए। बीफ या सूअर की चर्बी नहीं थी, यह राहत की बात है, लेकिन सिंथेटिक घी का इस्तेमाल आस्था के साथ धोखा है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संत रविदास भगवान राम के भक्त व समाज सुधारक

(लेखक- संजय गोस्वामी)

(रविदास जयंती 1 फरवरी,26 के उपलक्ष में)

इस साल रविदास जयंती 2026 रविवार, 1 फरवरी को मनाई जा रही है । यह भक्ति आंदोलन के महान संत गुरु रविदास की 649वीं जयंती है। हिंदू पंचांग के अनुसार यह पर्व माघ पूर्णिमा के दिन मनाया जाता है।संत रविदास (रैदास) का जन्म (वि।सं। 1433-1584 ई। सन 1376-1527) वाराणसी के एक चर्मकार परिवार में हुआ था। अपनी आध्यात्मिक साधना, चरित्रबल तथा विनयशील स्वभाव के कारण लाखों लोग, उनके जीवनकाल में ही उनके शिष्य हो गए। उन्होंने ईश्वर भक्ति का व्यापक साहित्य लिखा, किंतु अपने पारिवारिक कार्य (जूता बनाने) को लेकर उनको कोई ग्लानि नहीं थी। पंचगंगा घाट के प्रसिद्ध संत स्वामी रामानंद का शिष्य बनने की इच्छा भक्त रैदास के मन में जागी तो स्वामी रामानंद ने इसे तुरंत स्वीकार कर लिया। भक्त रैदास ने कहा हम चमार हैं तो स्वामी रामानंद ने कहा - प्रभु के यहां कोई छोटा-बड़ा नहीं होता। स्वामी रामानंद ने रैदास को प्रभु राम की भक्ति करने तथा भजन लिखने का आग्रह किया। भक्तिभाव से पद लिखना, भक्तों के मध्य गाना, किंतु जूते बनाने का अपना व्यवसाय भी करते रहना, यही उनकी दिनचर्या हो गई थी। संत रविदास की जन्म के बारे में यह प्रचलित है कि चौदह सौ तैंतीस की माघ सुदी पंदरास, दुखियों के कल्याण हित प्रगटे श्री रविदास। संत रविदास अपने गुरु रामानंद के आशीर्वाद से भगवान राम की सेवा में ऐसे लीन हुए कि प्रभु भक्ति में पूरा जीवन लगा दिया। मध्ययुगीन भक्ति चेतना के प्रमुख संतों में संत रविदास जी का नाम श्रद्धा और सम्मान के साथ लिया जाता है। वे केवल मात्र संत अथवा भक्तों के रूप में ही प्रतिष्ठित नहीं है, अपितु उनका व्यक्तित्व समाज सुधारक, क्रांतिकारी चिंतक, उत्कृष्ट युग- पुरुष के रूप में अभिव्यक्त हुआ है। ऐसे महामानव के जीवन चरित्र ने वर्तमान समाज को एक नई ज्योति प्रदान की है। उनकी पूर्ण प्रामाणिक एवं सर्वप्रथम प्रकाशित वाणी गुरु ग्रंथ साहिब में उपलब्ध होती है। संत रविदास जी का नाम विभिन्न ग्रंथों में अलग-अलग रूप में उपलब्ध होता है। उनके प्रचलित नामों में रविदास, रैदास रोहतास, रोहीदास, रामदास, रुईदास आदि उल्लेखनीय हैं। रामानंद संप्रदाय में मान्य ग्रंथ भक्तमाल में उन्हें रविदास के नाम से अभिहित किया गया है। वर्तमान समय में अन्य नामों को महत्व न देकर उनके जो दो नाम प्रायः ग्रंथों में उपलब्ध होते हैं, वे हैं रविदास और रैदास। संत रविदास जी के माता पिता के संबंध में भी कई मत उपस्थित होते हैं आचार्य पृथ्वीसिंह आजाद ने भविष्य पुराण के आधार पर उनके पिता का नाम मानदास स्वीकार किया है लेकिन संप्रदाय में यह नाम प्रचलित नहीं है। रविदास जी के पिता का नाम रग्घू या रघुनाथ अधिक प्रसिद्ध है। इनकी माता करमा देवी मानी जाती हैं। कई प्रकाशित ग्रंथों में संत रविदास जी की माता का नाम घुरविनिया भी मिलता है। लेकिन करमा नाम को उनके अनुयायियों ने अधिक अपनाया है। अतः उनकी माता का नाम करमा देवी मानना अधिक समीचीन है। रग्घू जी का जूते बनाने का व्यवसाय था। वे प्रभु भक्त थे और सात्विक जीवन बिताते थे इसलिए गांव के लोग उन्हें भक्त कहकर बुलाते थे। उनकी माता करमा देवी धार्मिक प्रवृत्ति की महिला थीं तथा नित्य प्रभु के भजन में लीन रहती हुई समय बिताती थीं। संत रविदास की जन्म के बारे में यह प्रचलित है कि चौदह सौ तैंतीस की माघ सुदी पंदरास, दुखियों के कल्याण हित प्रगटे श्री रविदास। संत रविदास अपने गुरु रामानंद के आशीर्वाद से भगवान राम की सेवा में ऐसे लीन हुए कि प्रभु भक्ति में पूरा जीवन लगा दिया। पूजा के कर्मकांड पर उनको कोई विश्वास नहीं था। भक्त रैदास कहते हैं, किससे पूजा करूं, नदी का जल मछलियों ने गंदा कर दिया, फूल को भौरे ने जूठा कर दिया, गाय के दूध को बछड़े ने जूठा किया है, अतः मैं हृदय से ही पूजा कर रहा हूं। उन्होंने पूजा का नहीं वरन पूजा के नाम पर हो रहे ढोंग का विरोध किया। समाज में ऊंच-नीच का भाव भरा पड़ा था। भक्त रैदास जानते हैं कि उनका जन्म ऐसी जाति में हुआ है जिसकी समाज में प्रतिष्ठा नहीं है और इस बात को वे निर्भीकता से स्वीकार भी करते हैं। इस प्रकार, अपनी संपूर्ण जाति को जातिगत संकोच से निकालते हैं और सभी को राम की शरण की ओर ले चलते हैं। संत रविदास अपनी साखी में याद दिलाते हैं कि वेश्या के वशिष्ठ होय, पढ़ देखो पुरान। रविदास कहै हरि भजन से पदवी पाई महान।। वाल्मीकि अधम कुल में जन्म लिया है आन। रविदास कहै हरि भक्ति कर होय रिषी महान।। तनया चंडाल की कोख से पारासर रिषी जो होय। रविदास कहै प्रभु सुमरि कर, ऊंच कहाय सोय।। सिकंदर लोदी के समय संत रैदास को मुसलमान बनाने के कुत्सित प्रयास किए गए। संत रैदास को मुसलमान बनाने से उनके लाखों भक्त भी मुसलमान बन जाएंगे। इस सोच के साथ सदना पीर इनको मुसलमान बनाने आया था, किंतु इनकी ईश्वर भक्ति और आध्यात्मिक-साधना से प्रभावित होकर, रामदास नाम से शिष्य बन गया। एक ओर तो वे जातिगत भेद, बाह्याचार, ढोंग आदि के विरोध में संघर्ष करते हैं, किंतु वैदिक धर्म के दार्शनिक पक्ष में अपनी पूर्ण आस्था बराबर रखते हैं। संत रविदास की दृष्टि और सोच यह थी कि वेद वाक्य उत्तम धरम, निर्मल वाका ज्ञान। यह सच्चा मत छोड़कर, मैं क्यों पढ़ूं कुरान। स्रुति - सास्त्र - स्मृति गाई, प्राण प्राण जाए पर धर्म न जाई। कुरान बहिश्त न चाहिए, मुझको हूर हजार। वेद धर्म त्यागूं नहीं, जो गल चलै कटार। वेद धरम है पूरण धरमा, करि कल्याण मिटावे भरमा। सत्य सनातन वेद हैं, ज्ञान धर्म मर्यादा। जो ना जाने वेद को, वृथा करे बकवाद। सिकंदर लोदी उनको मुसलमान बनाने के लिए प्रलोभन तथा दबाव दोनों की नीति अपनाता है, लोगों को उनके पास भेजता है, किंतु उनका उत्तर सीधा-सपाट है। वे बार-बार हिंदू धर्म में अपनी श्रद्धा, निष्ठा तथा आस्था व्यक्त करते हैं। संत रविदास ने सिकंदर लोदी को निर्भीकता के साथ उत्तर दिया कि मैं नहिं दब्बू बाल गँवारा, गंग त्याग गहूँ ताल किनारा। प्राण तजूँ पर धरम न देऊँ तुमसे शाह सत्य कह देऊँ। चोटी शिखा कबहुँ नहिं त्यागूँ, वस्त्र समेत देह भल त्यागूँ। कंठ कृपाण का करौ प्रहारा, चाहें डुबावो सिंधु मंझारा। संत रैदास का भक्ति भाव देखकर काशी नरेश उनके शिष्य बन गए चित्तौड़ के महाराणा उदय सिंह की पत्नी झाली रानी संत रैदास की शिष्य हो गईं। कुछ इतिहासकार उस झाली रानी को राणा कुंभा की मां तथा कोई उनको राणा सांगा की धर्मपत्नी समझते हैं। संत नाभादास ने भक्तमाल में इसका वर्णन किया है कि बसत चित्तौड़ मांझ रानी एक झाली नाम, नाम बिन काम खालि आनि शिष्य भई है। इसी प्रकार मीराबाई भी भक्त रैदास की शिष्य बन गईं तब सगुण तथा निर्गुण भक्ति धाराओं का मिलन हुआ। श्रीराम के अनन्य भक्त और हिंदुत्व के रक्षक थे संत रैदास - परम संत रविदास जी, महान् संत जगद्गुरु रामानंदाचार्य के प्रमुख 12 शिष्यों में से एक थे। इस संबंध भक्तमाल के रचयिता स्वामी नाभादास ने प्रामाणिक वर्णन किया है। स्वयं संत रैदास ने स्वामी रामानंद को स्मरण किया है। रं राम मोहि गुरु रामा दीन्हे, नाहिं इह मंतर बिसराऊं। मध्य काल में मुस्लिम आतंक के कठिन समय में आचार्य रामानंद ने श्रीराम के सगुण और निर्गुण भक्ति शाखाओं के आलोक में संत रविदास को निर्गुण रामभक्ति धारा के प्रचार-प्रसार के लिए नियुक्त किया। संत रैदास ने अपने लगभग 151 वर्ष के जीवन काल के दौरान उत्तरप्रदेश, मध्यप्रदेश, राजस्थान, गुजरात, पंजाब, हरियाणा और बिहार में सामाजिक समरसता के सेतु बने और हिंदुत्व की रक्षा की। गौरतलब है कि जहाँ संत कबीर की वाणी में तीखापन का आनंद है तो संत रैदास की वाणी में मिठास का आनंद है। इसलिए संत रैदास की वाणी बहुत लोकप्रिय है। एक बानगी देखिए कि अब कैसे छूटे राम रट लागी। प्रभु जी तुम चंदन हम पानी। जाकी अंग-अंग बास समानी।। प्रभुजी तुम घन वन हम मोरा। जैसे चितवत चंद चकोरा।। प्रभुजी तुम दीया हम बाती। जाकी जोति बरै दिन राती।। प्रभुजी तुम मोती हम धागा। जैसे सोनहिं मिलत सोहागा।। प्रभुजी तुम स्वामी हम दासा। ऐसी भक्ति करै रैदासा।। स्वामी रामानंद ने भक्ति की दोनों सगुण और निर्गुण पद्धतियों को समान महत्व दिया है। उनके 12 शिष्यों में से अनंतानंद, सुरसुरानंद भावानंद, नरहर्यानंद आदि सगुणोपासक भक्त थे। निर्गुणोपासना के अंतर्गत कबीर, रविदास पीपा, सेन तथा धन्ना को स्वीकार किया जाता है। वस्तुतः उक्त संत कवियों को पूर्णतया निर्गुणी नहीं माना जा सकता है, क्योंकि इन संतों की वाणी में निर्गुण भक्ति के साथ-साथ सगुण भक्ति के भाव भी अभिव्यक्त हुए हैं। जब भक्ति ज्ञान से युक्त होती है, तो वह ब्रह्म निर्गुण हो जाता है, लेकिन जैसे ही भक्ति भावों में बहती है, वहीं ब्रह्म सगुण रुप में धारण कर लेता है। मूलतः स्वामी रामानंद ने स्पष्ट कहा है कि अगुणहि सगुणहि एक विचारा इस प्रकार भक्ति की दोनों धाराओं को सम दृष्टि से देखा तथा अपने शिष्यों को स्वेच्छा से सगुण - निर्गुण भक्ति ग्रहण करने की स्वायत्तता प्रदान की। उन्होंने सिद्धांतों को इतना उदार बनाया कि इनमें भक्ति ज्ञान एवं कर्म स्वतः ही समभाव से समाहित हो गए हैं। महान् संत रैदास उपर्युक्त विचारों के आलोक में संत शिरोमणि के रुप में प्रतिष्ठित हैं।संत रविदास जी की मृत्यु की सटीक तिथि विवादित है, लेकिन अधिकांश स्रोत और मान्यताएँ बताती हैं कि उनका देहावसान सन् 1518 ईस्वी के आसपास वाराणसी (बनारस) में हुआ था, और उनका जीवनकाल 14वीं-16वीं शताब्दी के बीच रहा, जिसमें उनका जन्म 1445 के आसपास हुआ था और उन्होंने लगभग 1518 में अंतिम सांस ली। लेकिन आज भी भगवान राम के भक्त के रूप में आज भी लोग उनकी जयंति मानते हैं पूजते हैं।

रविदास जी के पिता का नाम रग्घू या रघुनाथ अधिक प्रसिद्ध है। इनकी माता करमा देवी मानी जाती हैं। कई प्रकाशित ग्रंथों में संत रविदास जी की माता का नाम घुरविनिया भी मिलता है। लेकिन करमा नाम को उनके अनुयायियों ने अधिक अपनाया है। अतः उनकी माता का नाम करमा देवी मानना अधिक समीचीन है। रग्घू जी का जूते बनाने का व्यवसाय था। वे प्रभु भक्त थे और सात्विक जीवन बिताते थे इसलिए गांव के लोग उन्हें भक्त कहकर बुलाते थे। उनकी माता करमा देवी धार्मिक प्रवृत्ति की महिला थीं तथा नित्य प्रभु के भजन में लीन रहती हुई समय बिताती थीं।

संपादकीय

परिपक्व उम्र में ही हो सोशल मीडिया तक पहुंच

बच्चों व किशोरों की सोशल मीडिया पर बढ़ती अति-सक्रियता अभिभावकों ही नहीं, देश के लिये भी एक गंभीर चिंता का विषय है। छात्रों का पढ़ाई से भटकाव व एकाग्रता में गिरावट समय की बड़ी फिक्र है। इसी बीच इकोनॉमिक सर्वे में सोशल मीडिया तक उम्र के हिसाब से पहुंच का सुझाव एक स्वागत योग्य कदम है। सालों से, डिजिटल विस्तार को एक बिना शर्त अच्छे बदलाव के रूप में देखा जाता रहा है। कहा जाता रहा है कि सोशल मीडिया तक पहुंच को लोकतांत्रिक बनाने, डिजिटल लिटरेसी की खामियों को दूर करने और शिक्षा को आधुनिक बनाने में डिजिटल क्रांति सहायक है। निश्चित रूप से आर्थिक सर्वे में इस बाबत उल्लेख एक असहज करने वाली सच्चाई को संतुलित करने का प्रयास करता है। यह स्वीकार किया जा रहा है कि बिना रोक-टोक के डिजिटल एक्सपोजर तेजी से एक सार्वजनिक स्वास्थ्य चिंता बनता जा रहा है। सही मायनों में डिजिटल लत को मानसिक स्वास्थ्य, शैक्षणिक प्रदर्शन और उत्पादकता को प्रभावित करने वाली समस्या के रूप मे पहचानते हुए, सर्वे इस बहस को तथ्यों पर आधारित नीति बनाने की जरूरत बताता है। इसकी सिफारिश है कि उम्र के हिसाब से एक्सेस की सीमाएं तय करने, उम्र की वेरिफिकेशन के लिये प्लेटफॉर्मों की जवाबदेही निर्धारित करने, बच्चों के लिये सरल डिवाइस बनाने और ऑनलाइन कक्षाओं पर निर्भरता कम करने की आवश्यकता है। सही मायनों में इस मुद्दे पर वैश्विक सहमति का ही अनुसरण किया जा रहा है। वास्तव में बच्चों को सम्मोहित करने वाले डिजिटल डिजाइनों से उन्हें सुरक्षा उपलब्ध कराने की भी जरूरत है। जो कोमल मन-मस्तिष्क वाले बच्चों पर खासा नकारात्मक प्रभाव डालते हैं। निश्चित रूप से डिजिटल लत के शिकार होते बच्चों व किशोरों के, शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य के मद्देनजर राष्ट्रीय स्तर पर नीति-निर्धारण समय की मांग है। इसके अलावा इस बाबत सामूहिक जिम्मेदारी पर जोर देना भी उतना ही जरूरी है। तभी इस संकट का आशाजनक समाधान तलाशना संभव हो सकेगा। वहीं दूसरी ओर, इस संकट से उबरने के लिये प्लेटफॉर्म लेवल सेफ्टी और फैमिली डेटा प्लान की भी मांग की जा रही है। जो पढ़ाई की जरूरत और मनोरंजन के लिये डिजिटल प्लेटफॉर्म के लिए इस्तेमाल का फर्क कर सके। इसके साथ ही हालिया आर्थिक सर्वे में इस बात को स्वीकार किया गया है कि माता-पिता पहले से ही यह जानते हैं कि व्यक्तिगत कंट्रोल बड़े पैमाने से इस समस्या का समुचित हल नहीं निकाल सकता है। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर हुए प्रयास इस तथ्य की पुष्टि करते हैं। यही वजह है कि आस्ट्रेलिया व फ्रांस जैसे विकसित देशों में सरकारों को इस दिशा में सख्त पहल करनी पड़ी। एक ओर जहां आस्ट्रेलिया ने सोलह साल से कम उम्र वाले बच्चों की सोशल मीडिया तक पहुंच पर रोक लगायी है, वहीं फ्रांस ने पंद्रह साल से कम उम्र वाले बच्चों की सोशल मीडिया तक सीधी पहुंच को रोकने को कदम उठाये हैं। कुछ अन्य देशों में भी सरकारें तेजी से सख्त सीमाएं तय करने की दिशा में काम कर रही हैं। आज जहां भारत में स्मार्टफोन के इस्तेमाल की प्रवृत्ति तेजी से बढ़ रही है। वैसे भारत जैसे देश जहां युवाओं की आबादी बहुत ज्यादा है, वहां डिजिटल क्रांति से पूरी तरह अलग भी नहीं रहा जा सकता। ऐसे में एक नियम से ही सबको नियंत्रित करना संभव नहीं होगा। इसके बावजूद हमें स्वीकारना होगा कि विदेशी प्लेटफॉर्मों से प्रसारित अपसंस्कृति भारतीय किशोरों को पथभ्रष्ट करने में घातक भूमिका निभा रही है। जिससे देश में किशोरों की यौन अपराधों में संलिप्तता का खतरा बढ़ रहा है। ये अपसंस्कृति न केवल समय से पहले बच्चों को वयस्क बना रही है, बल्कि उनमें मानवीय संवेदनाओं का भी क्षरण कर रही है। जो किसी भी सभ्य समाज के लिये एक गंभीर चुनौती है। खासकर भारत जैसे देश में जहां सांस्कृतिक मूल्यों व संबंधों में शुचिता को हमेशा प्राथमिकता दी जाती रही है। इस बाबत सरकार की सख्त पहल और अभिभावकों की सजगता मिलकर ही समस्या का समाधान निकाल सकती है।

केन्द्र सरकार की आम बजट 2026: उम्मीदों की झोली या उपेक्षा का दस्तावेज

(लेखक- विनोद कुमार सिंह)

देश की धड़कन संसद में,जनता की निगाहें वित्त मंत्री सीता रमण परकुछ ही घंटे शेष हैं।संसद के भीतर केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का बजट भाषण तैयार है और संसद के बाहर पूरा देश सांस रोके बैठा है।1 फरवरी 2026 को पेश होने वाला आम बजट केवल सरकारी खाते-बही का दस्तावेज नहीं,बल्कि करोड़ों नागरिकों की उम्मीदों,आशंकाओं और अपेक्षाओं की कसौटी है।यह वही घड़ी है जब तय होगा कि आर्थिक सर्वेक्षण में खींची गई तस्वीर को वित्त मंत्री कितनी मजबूती देती हैं और क्या यह बजट सचमुच जनता के जीवन में राहत की बारिश करेगा या फिर आंकड़ों की चकाचौंध में आम आदमी को एक बार फिर खाली हाथ लौटना पड़ेगा।आर्थिक सर्वेक्षण ने तस्वीर रख दी,अब बजट जवाब देगा।आर्थिक सर्वेक्षण ने एक तरफ भारत की मजबूत जीडीपी ग्रोथ,नियंत्रित महंगाई और वैश्विक अस्थिरता के बीच देश की स्थिरता को रेखांकित किया है।वित्त मंत्री ने स्वयं कहा है कि भारत दुनिया के लिए 'ग्लोबल ब्राइट स्पॉट' है। 2025-26 में 7.4 प्रतिशत विकास दर का अनुमान भारत को लगातार चौथे वर्ष सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बनाता है।लेकिन सवाल यह है - क्या यह चमक आम आदमी के घर तक पहुंची है? क्या विकास के ये आंकड़े किसान की खेत-मेड़ पर,मजदूर की थाली में और युवा की नौकरी में बदल पाए हैं?अर्थव्यवस्था की तस्वीर जितनी उजली है,चुनौतियां उतनी ही गहरी हैं। रोजगार,ग्रामीण मांग,राज कोषीय घाटा और महंगाई—ये ऐसे मोर्चे हैं जहां सिर्फ भाषण नहीं, ठोस फैसले चाहिए।आम आदमी- हर बजट में सबसे बड़ा दर्शक,सबसे बड़ा पीड़ित हर वर्ष बजट आता है और हर वर्ष आम आदमी वही सवाल पूछता है—'इस बार मेरे लिए क्या?' महंगाई ने गृहणी की रसोई को जकड़ रखा है।शिक्षा और स्वास्थ्य खर्च लगातार बढ़ रहा है।मध्यम वर्ग टैक्स के बोझ से दबा है।गरीब कल्याण योजनाओं पर निर्भर है।आम बजट का असली मतलब तभी होगा जब यह आम आदमी के जीवन में राहत लाएगा।वरना यह 'आम बजट' नहीं, सिर्फ सरकारी औपचारिकता बनकर रह जाएगा।मध्यम वर्ग- टैक्स राहत नहीं मिली तो नाराजगी तय है।मध्यम वर्ग इस बजट की सबसे बड़ी उम्मीद है और सबसे बड़ा दबाव भी।इस वर्ग को इनकम टैक्स में राहत,स्लैब में बदलाव, स्टैंडर्ड डिडक्शन बढ़ाने और होम लोन ब्याज छूट की सीमा बढ़ने की आस है। ऐसे मे क्या सरकार इस वर्ग को राहत देगी या फिर एक बार फिर 'धैर्य रखिए' कहकर टाल देगी?

दिलचस्प बात यह है कि गूगल ट्रेंड्स बताता है कि बजट के दिनों में 'इनकम टैक्स' से ज्यादा 'बजट' शब्द सर्च होता है।यानी जनता सिर्फ टैक्स नहीं, पूरे भविष्य का जवाब चाहती है।किसान- सम्मान निधि बढ़ेगी या सिर्फ आश्वासन मिलेगा? - देश का किसान इस बजट की सबसे बड़ी निगाह है। उम्मीद की जा रही है कि पीएम किसान सम्मान निधि की राशि 6,000 से बढ़ाकर 12,000 रुपये की जा सकती है।सरकार बताती है कि 11 करोड़ किसानों को अब तक 4.09 लाख करोड़ रुपये दिए जा चुके हैं।

लेकिन सवाल यह है—क्या यह पर्याप्त है? किसान आज भी खाद-बीज की कीमतों, सिंचाई की कमी और एमएसपी की अनिश्चितता से जूझ रहा है।

यदि बजट किसान को केवल योजनाओं के आंकड़े देगा,तो यह राहत नहीं,छलावा कहलाएगा।

महिलाएं- लाभार्थी नहीं,भागीदार बनें -महिलाओं को उम्मीद है कि उज्ज्वला जैसी योजनाओं का विस्तार होगा, महिला उद्यमियों को सस्ते लोन मिलेंगे और कामकाजी महिलाओं के लिए टैक्स में विशेष छूट आएगी।यहाँ पर सवाल उठना स्वाभाविक है—क्या बजट महिलाओं को केवल लाभार्थी बनाएगा या आर्थिक विकास की असली भागीदार?यदि महिला सशक्तिकरण सिर्फ घोषणाओं तक सीमित रहा, तो यह भी उपेक्षा का ही दूसरा नाम होगा।युवा- रोजगार चाहिए,भाषण नहीं देश का युवा आज सबसे बड़ा प्रश्न है।स्टार्टअप्स,स्किल डेवलपमेंट,शिक्षा ऋण में राहत और रोजगार सृजन—यही उनकी अपेक्षा है।लेकिन युवा को अब 'भविष्य उज्ज्वल है' जैसे वाक्य नहीं चाहिए।उसे नौकरी चाहिए,अवसर चाहिए,स्थिरता चाहिए।अगर बजट रोजगार के मोर्चे पर ठोस कदम नहीं उठाता, तो विकास दर के सारे आंकड़े खोखले साबित होंगे।कर्मचारी और पेंशनर्स- 8वें वेतन आयोग का इंतजार - सरकारी कर्मचारियों और पेंशनर्स के लिए बजट भाषण बेहद महत्वपूर्ण है।8वें वेतन आयोग की सिफारिशों को लागू करने के लिए यदि बजट में फंड का प्रावधान हुआ,तो उम्मीदें पंख पकड़ेंगी।वरना यह वर्ग भी खुद को उपेक्षित महसूस करेगा।बाजार और निवेशक- बजट का असर सिर्फ शेयर नहीं,भरोसे पर भी बजट से पहले सोने-चांदी में भारी गिरावट बाजार की बेचैनी का संकेत है।निवेशकों के लिए बजट अनिश्चितता और अवसर दोनों है।

एसबीआई सिक्योरिटीज की रिपोर्ट बताती है कि बजट के बाद बाजार में 70 प्रतिशत से ज्यादा बार रिकवरी देखी गई है।बाजार का असली आधार भरोसा है, और भरोसा तभी टिकेगा जब बजट में स्थिरता और स्पष्ट दिशा होगी।

बजट 2026- बड़ा धमाका या धीमी रणनीति? -एमके ग्लोबल ने इसे 'लो-इम्पैक्ट इवेंट' कहा है। बड़े सुधार पहले ही हो चुके हैं, इसलिए नई घोषणाओं की गुंजाइश सीमित है।जनता को 'गुंजाइश' नहीं चाहिए,उसे राहत चाहिए।उसे भरोसा चाहिए कि सरकार विकास को जमीन पर उतारेगी।संक्षेप हम कह सकते है कि यह बजट जनता की झोली भरेगा या उम्मीदें फिर टाल देगा?देश की स्थिति उस किसान जैसी है जो आसमान की ओर देख रहा है—बारिश होगी या नहीं।आम बजट 2026 से अपेक्षा है कि जीवन सस्ता हो रोजगार बढ़े, किसान मजबूत हो, महिलाएं सशक्त हों और मध्यम वर्ग को राहत मिले,लेकिन अगर यह बजट सिर्फ आंकड़ों और योजनाओं का दस्तावेज बनकर रह गया,तो यह 'आम बजट' नहीं, 'उपेक्षा बजट' कहलाएगा।अब फैसला संसद में होगा। कुछ ही घंटों में तय हो जाएगा कि यह बजट जनता की उम्मीदों का पर्व बनता है या एक और अधूरी कहानी।

चिंतन मनन

पशुवध निंदनीय- दंडनीय कर्म

सतोगुण में किये गये पुण्यकर्मो का फल शुद्ध होता है, अतएव वे मुनिगण, जो समस्त मोह से मुक्त हैं, सुखी रहते हैं। लेकिन रजोगुण में किये गये कर्म दुख का कारण बनते है। भौतिक सुख के लिए जो भी कार्य किया जाता है, उसका विफल होना निश्चित है। उदाहरणार्थ, यदि कोई गगनचुम्बी प्रासाद बनवाना चाहता है, तो उसके पूर्व अत्यधिक कष्ट उठाना पड़ता है। मालिक को धन-संग्रह के लिए कष्ट उठाना पड़ता है और प्रासाद बनाने वाले श्रमिकों को श्रम करना होता है। अतएव भगवद्गीता का कथन है कि रजोगुण के अधीन होकर जो भी कर्म किया जाता है, उसमें निश्चित रूप से महान कष्ट भोगने होते हैं। इससे यह मानसिक तृप्ति हो सकती है कि मैंने यह मकान बनवाया या इतना धन कमाया, लेकिन यह वास्तविक सुख नहीं है। जहां तक तमोगुण का सम्बन्ध है, कर्ता को कुछ ज्ञान नहीं रहता, अतएव उसके समस्त कार्य उस समय दुखदायक होते हैं और बाद में उसे पशु जीवन में जाना होता है। पशु जीवन सदैव दुखमय है, यद्यपि माया के वशीभूत होकर वे इसे समझ नहीं पाते। पशुओं का वध भी तमोगुण के कारण है। पशु-बधिक यह नहीं जानते कि भविष्य में इस पशु को ऐसा शरीर प्राप्त होगा, जिससे वह उनका वध करेगा। यही प्रकृति का नियम है। मानव समाज में यदि कोई किसी मनुष्य का वध कर दे तो उसे प्राणदंड मिलता है।

यह राज्य का नियम है। अज्ञानवश लोग अनुभव नहीं करते कि संसार परमेश्वर द्वारा नियंत्रित एक पूरा राज्य है। प्रत्येक जीवित प्राणी परमेश्वर की संतान है और उन्हें एक चींटी तक का मारा जाना सह्य नहीं हैं। इसके लिए मनुष्य को दंड भोगना पड़ता है। अतएव स्वाद के लिए पशु-वध में रत रहना घोर अज्ञान मनुष्य को पशुओं के वध की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि ईश्वर ने अनेक अच्छी वस्तुएं प्रदान की हैं। यदि कोई किसी कारण मांसाहार करता है, तो यह समझना चाहिए कि वह अज्ञानवश ऐसा कर रहा है और अपने भविष्य को अंधकारमय बना रहा है।

विचार मंथन

आर्थिक सर्वेक्षण का सचः तेज विकास के बीच गहराता आर्थिक ढांचा

(लेखक- सनत जैन)

हालिया आर्थिक सर्वेक्षण ने एक साथ दो तस्वीरें देश के सामने रखी हैं। पहली तस्वीर बताती है, भारत की जीडीपी वृद्धि दर लगभग 6-7 प्रतिशत के आसपास बनी हुई है। देश दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर बढ़ रहा है। दूसरी तस्वीर दिखाती है कि इसी दौरान आयात निर्यात व्यापार घाटा लगातार 250-280 अरब डॉलर के दायरे में अटका हुआ है। हाल में जारी आर्थिक सर्वेक्षण आंकड़े के रुझान बताते हैं, यह घाटा 300 अरब डॉलर से और भी बढ़ सकता है। सवाल यह है, तेज आर्थिक वृद्धि के बावजूद यह घाटा स्थाई क्यों बना हुआ है? यह अंतर भारत की अर्थव्यवस्था के लिए बड़ी चुनौती है। सर्वे के अनुसार भारत का वैश्विक माल निर्यात में हिस्सा अभी भी 2 प्रतिशत से कम है। आर्थिक विकास के दौरान निर्यात में कोई सफलता भारत को नहीं मिली। 2019 में लगभग 19 ट्रिलियन डॉलर का निर्यात व्यापार था जो अब बढ़कर करीब 24 ट्रिलियन डॉलर तक पहुँचा है। दुनिया का व्यापार पाँच साल में लगभग 4-5 ट्रिलियन डॉलर की रफ्तार से बढ़ा है। भारत का निर्यात 2019 के अनुपात में आज भी टिका हुआ है। इसके उलट भारत में आयात तेज़ी से बढ़ रहा है। क्रूड ऑयल, इलेक्ट्रॉनिक्स, कैपिटल गुड्स, केमिकल्स और सोना, चांदी जैसे सेक्टर में आयात बिल बढ़ता चला जा रहा है। तेल सेक्टर में भारत लगभग 85प्रतिशत आयात पर निर्भर है। इसलिए रुपये में आई गिरावट से आयात बिल में हजारों करोड़ रुपये का अतिरिक्त बोझ भारतीय अर्थव्यवस्था में पड़ रहा है। पिछले एक दशक में मेक इन इंडिया और पीएलआई जैसी योजनाओं के बावजूद ना तो हम अपने देश की मांग को पूरा कर पा रहे हैं और ना ही विदेश मे निर्यात बढ़ा पा रहे हैं। 2019 में जो स्थिति थी वह आज भी बनी हुई है। उदाहरण के तौर पर इलेक्ट्रॉनिक्स का निर्यात जरूर बढ़ा है। उसमें बड़ा हिस्सा आयातित सामग्री का है। इसका नतीजा यह हुआ, जिन इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का भारत निर्यात कर रहा है, उसकी असेंबलिंग भारत में होती है। असली कमाई कंपोनेंट बनाने वाले देशों में चली जाती है। यही कारण है, निर्यात वॉल्यूम इंडेक्स लगभग 179 होने के बावजूद यूनिट वैल्यू इंडेक्स करीब 164 पर अटकी हुई है। जो भारत के निर्यात में कमजोर प्राइसिंग पावर को दर्शाता है। इस कमी की भरपाई सेवा निर्यात सेक्टर से कुछ हद तक हो रही है। आईटी और अन्य सेवाओं से करीब 260 अरब डॉलर का और प्रवासी भारतीयों से लगभग 100-125 अरब डॉलर की आय हो रही है। वह आयात निर्यात के व्यापार घाटे का 70-80 से संतुलित भरपाई कर रहा है। इसलिए चालू खाता घाटा जीडीपी के लगभग 1प्रतिशत के आसपास बना हुआ दिखता है। यह संतुलन नाजुक स्थिति पर पहुंच गया है।

एआई जैसी तकनीक के कारण लो-एंड आईटी सेवाओं की मांग घटने की दिशा में भारत की आर्थिक स्थिति बहुत खराब होगी। सेवा अधिशेष 260 से फिसलकर 200 अरब डॉलर पर आया, तो पूरा आर्थिक समीकरण बिगड़ सकता है। निर्यात के क्षेत्र में भारत को दोहरा नुकसान उठाना पड़ रहा है। इंजीनियरिंग गुड्स, टेक्सटाइल, जेम्स-ज्वेलरी और एग्री कमोडिटी हम भारत से निर्यात करते हैं। बहुत कम क्षेत्रों में वैश्विक मोनोपोली है। नतीजा विदेशी खरीददार भारत के सामान की कीमत तय करता है। भारतीय निर्यातकों में प्रतिस्पर्धा होने का लाभ भी आयातक को मिलता है। आर्थिक सर्वेक्षण का संकेत साफ है। भारत की अर्थव्यवस्था अभी घरेलू मांग और सेवा निर्यात से चल रही है। नाकि वैश्विक विनिर्माण के क्षेत्र में भारत का कोई बेहतर स्थान नहीं है। जब तक उच्च तकनीक, रिसर्च आधारित और कंपोनेंट स्तर पर भारत निर्माण के क्षेत्र में आगे नहीं बढ़ेगा, तब तक आर्थिक विकास में जीडीपी के बढ़ने के बाद भी भारत को आर्थिक चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। तेज विकास के साथ आयात को नियंत्रित करना भारत में तकनीकी रोजगार और सेवा के क्षेत्र में रिसर्च मॉडल में वृद्धि करते हुए आयात पर निर्भरता कम करना, भारतीय निर्यात को बढ़ाना, स्थायी व्यापार घाटा को नियंत्रित करने पर ही हम अपनी आर्थिक स्थिति को ठीक-ठाक कर पाएंगे। बजट के पहले जो आर्थिक सर्वेक्षण के आंकड़े आए हैं, वे भारतीय अर्थव्यवस्था की भयावह तस्वीर को उजागर कर रहे हैं।

आर्थिक सर्वेक्षण के आंकड़े बता रहे हैं, पिछले 7 साल से भारत की अर्थव्यवस्था आयात और निर्यात में भारी अंतर है। जीडीपी जरूर आर्थिक विकास को दर्शा रही है, लेकिन आयात-निर्यात वाले आंकड़े बड़ी चिंता पैदा करने वाले हैं। सरकार को इस स्थिति को देखते हुए विशेष प्रयास करने की जरूरत है। सरकार को इस वास्तविकता को देखना, और स्वीकार करना होगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मीशो का घाटा बढ़कर 491 करोड़ पर पहुंचा

नई दिल्ली । ई-कॉमर्स कंपनी मीशो ने चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर 2025) में 490.6 करोड़ रुपए का घाटा दर्ज किया। यह पिछले वर्ष की समान तिमाही के 37.43 करोड़ रुपए के घाटे की तुलना में लगभग 13 गुना अधिक है। कंपनी ने यह वृद्धि त्योहारी मौसम में बढ़े खर्चों से जोड़ी है। समीक्षाधीन तिमाही में मीशो का कुल खर्च 4,071 करोड़ रुपए रहा। इसमें से अधिकांश यानी 3,821.3 करोड़ रुपए अन्य व्यय, मार्केटिंग और ग्राहक अधिग्रहण पर खर्च हुए। तीसरी तिमाही में परिचालन राजस्व 3,517.5 करोड़ रुपए रहा, जो पिछले साल की 2,678.64 करोड़ रुपए की तुलना में 31 फीसदी अधिक है।

गौतम और सागर अदाणी एसईसी मामले में कानूनी नोटिस लेने को तैयार

- अदाणी पक्ष 90 दिनों में दे सकता है जवाब

नई दिल्ली । अरबपति गौतम अदाणी और उनके भतीजे सागर अदाणी अमेरिकी प्रतिभूति और विनिमय आयोग (एसईसी) द्वारा दायर दीवानी धोखाधड़ी मुकदमे में कानूनी नोटिस स्वीकार करने के लिए सहमत हो गए हैं। न्यूयॉर्क के ब्रुकलिन में संघीय अदालत में दायर दस्तावेजों के अनुसार दोनों पक्षों ने नोटिस तामिल करने के तरीके पर अदालत की जरूरत को समाप्त कर दिया। एसईसी ने आरोप लगाया कि अदाणी और उनके भतीजे ने अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एजीईएल) के बारे में निवेशकों को भ्रामक जानकारी दी और रिश्वत देने की योजना को छिपाया। इसके अलावा संघीय अभियोजकों ने भारत में सौर ऊर्जा अनुबंध हासिल करने के लिए 26.5 करोड़ डॉलर की रिश्वत देने में मदद करने का आरोप भी लगाया। यदि अदालत संयुक्त आवेदन को मंजूरी देती है, तो अदाणी पक्ष 90 दिनों में जवाब दे सकता है या मामले को खारिज करने का अनुरोध कर सकता है। इसके बाद एसईसी 60 दिनों में विरोध दर्ज करेगा और प्रतिवादी 45 दिनों में उत्तर देंगे। अदाणी समूह ने सभी आरोपों को बार-बार नकारा है।

केंद्रीय बजट से पहले शेयर बाजार में निवेशकों के लिए सेटलमेंट अलर्ट

शेयर और पैसे का वास्तविक लेन-देन अगले कारोबारी दिन होगा

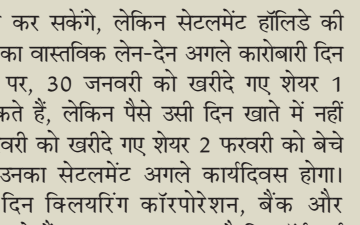

नई दिल्ली । केंद्रीय बजट 2026 से पहले निवेशकों के लिए एक अहम चेतावनी है। 1 फरवरी को बाजार खुले रहेंगे और निवेशक एनएसई और बीएसई पर शेयर खरीद-फरोख्त कर सकेंगे, लेकिन सेटलमेंट हॉलिडे की वजह से शेयर और पैसे का वास्तविक लेन-देन अगले कारोबारी दिन होगा। उदाहरण के तौर पर, 30 जनवरी को खरीदे गए शेयर 1 फरवरी को बेचे जा सकते हैं, लेकिन पैसे उसी दिन खाते में नहीं आएंगे। इसी तरह 1 फरवरी को खरीदे गए शेयर 2 फरवरी को बेचे जा सकते हैं, लेकिन उनका सेटलमेंट अगले कार्यदिवस होगा। सेटलमेंट हॉलिडे के दिन क्लियरिंग कॉरपोरेशन, बैंक और डिपॉजिटरी संस्थान बंद रहते हैं। इसका मतलब यह है कि शॉर्ट-टर्म ट्रेडर्स को अपने फंड या शेयर तुरंत प्राप्त नहीं होंगे, इसलिए ट्रेडिंग योजना में इसे ध्यान में रखना जरूरी है। ब्रोकरेज फर्मों का अनुमान है कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण फिस्कल कंसॉलिडेशन की दिशा में बनी रह सकती हैं। सरकार वित्त वर्ष 27 के लिए फिस्कल डेफिसिट लगभग 4.2 फीसदी जीडीपी पर रखने पर विचार कर सकती है। इसके अलावा डिफेंस सेक्टर में पूंजीगत खर्च बढ़ने और चुनिंदा कंजम्पशन सपोर्ट उपाय लागू होने की संभावना है। अंतरराष्ट्रीय ब्रोकरेज के मुताबिक वित्त वर्ष 27 में टैक्स रेवेन्यू ग्रोथ करीब 8 फीसदी रहने की उम्मीद है, जो लगातार तीसरा वर्ष होगा जब यह 10 फीसदी से नीचे रहेगी। वहीं वित्त वर्ष31 तक भारत का डेट-टू- जीडीपी अनुपात 5 फीसदी अंक घट सकता है।

बैंक यूनियनों ने 12 फरवरी को प्रस्तावित राष्ट्रव्यापी हड़ताल का आह्वान किया

- नए लेबर कोड्स के तहत कठिन बनाई गई है यूनियनों के रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया

नई दिल्ली । प्रमुख बैंक संगठनों ने 12 फरवरी को देशव्यापी हड़ताल का आह्वान किया है। यह हड़ताल 10 केंद्रीय ट्रेड यूनियनों (सीटीयू) के संयुक्त आह्वान पर की जा रही है। बैंक यूनियनों का कहना है कि सरकार द्वारा नवंबर में अधिसूचित चार नए लेबर कोड्स पूरी तरह श्रमिक विरोधी हैं और कर्मचारियों के अधिकारों को कम कर रहे हैं। यूनियनों का आरोप है कि नए लेबर कोड्स के तहत यूनियनों के रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया कठिन बनाई गई है, जबकि 300 से कम कर्मचारियों वाले प्रतिष्ठानों के मालिक बिना सरकारी अनुमति कर्मचारियों की छंटनी कर सकते हैं। बैंक कर्मचारी कार्य घंटे बढ़ाने और अस्थायी रोजगार (फिक्स्ड टर्म एम्प्लॉयमेंट) को बढ़ावा देने के विरोध में भी हड़ताल में शामिल होंगे। यूनियनों ने सप्ताह में पांच दिन काम की मांग को प्रमुख मुद्दा बनाया है। आरबीआई, एलआईसी शेयर बाजार और अन्य वित्तीय संस्थानों में पांच दिन का कार्य सप्ताह लागू है, जबकि बैंक कर्मचारी अब भी वैकल्पिक सप्ताहों में छह दिन काम कर रहे हैं। यूनियनों का कहना है कि यह वर्क-लाइफ बैलेंस के लिए जरूरी है और कर्मचारियों के लिए न्यायसंगत भी है। सभी बैंक अधिकारियों से हड़ताल के दिन क्लैरिकल कार्य न करने का आग्रह किया गया है। 28 जनवरी को जारी संयुक्त पत्र में यूनिट्स और सदस्यों से हड़ताल में सक्रिय भागीदारी की अपील की गई। बैंक यूनियनों का कहना है कि नए नियम 'ईज़ ऑफ डूइंग बिजनेस' के नाम पर नियोक्ताओं और एमएनसी को लाभ पहुंचाने के लिए बनाए जा रहे हैं, जबकि कर्मचारियों के हक़ और स्थायी रोजगार खतरे में हैं।

केंद्र ने पीडीएस में ई-रुपी वाउचर लागू करने का प्रस्ताव जारी किया

नई दिल्ली । केंद्रीय खाद्य मंत्रालय ने सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) में अनाज की हेराफेरी रोकने के लिए डिजिटल ई-रुपी वाउचर के इस्तेमाल का अवधारणा पत्र जारी किया। इसका मकसद लाभार्थियों तक सही मात्रा और गुणवत्ता का अनाज सुनिश्चित करना है। ई-वाउचर आधार से जुड़ा, गैर-हस्तांतरणीय और एक महीने के लिए वैध होगा। इसे केवल विशिष्ट खाद्य वस्तुओं (जैसे 10 किलो गेहूं/चावल) के लिए भुनाया जा सकेगा। लाभार्थी इसे पीडीएस दुकानों से अपने हिस्से का अनाज लेने में इस्तेमाल करेंगे। एसबीआई वाउचर जारी करेगा, एनआईसी तकनीकी सहयोग देगा और एनपीसीआई का ई-रुपी प्लेटफॉर्म पीडीएस से जोड़ा जाएगा। हालांकि आधार प्रमाणीकरण और पीओएस उपकरण जैसे सुधार किए गए हैं, अंत स्तर पर कम तौल, खराब गुणवत्ता और डीलर की मनमानी जैसी समस्याएँ बनी हुई हैं। राशन दुकानदारों ने नए प्रस्ताव का विरोध किया है, जबकि विशेषज्ञ इसे भोजन सब्सिडी नियंत्रण और पारदर्शिता बढ़ाने का उपाय मानते हैं।

चांदी और सोने के भाव में अचानक गिरावट से निवेशक चिंतित

- बाजार विश्लेषकों ने मौजूदा गिरावट की तुलना 1980 के 'सिल्वर थर्सडे' से की

नई दिल्ली ।

कमोडिटी बाजार में शुक्रवार को अचानक हलचल देखने को मिली। पिछले कुछ हफ्तों से तेजी पकड़ चुकी चांदी ने निवेशकों को चौंका दिया और रिकॉर्ड उच्च स्तर से बड़ी गिरावट दर्ज की। एक दिन में चांदी में 1,07,971 तक की गिरावट आई। सोने के भाव में भी दबाव बना रहा, जिससे कीमती धातुओं में निवेशकों की चिंता बढ़ गई। विशेषज्ञों का मानना है कि इस अचानक गिरावट के पीछे दो मुख्य कारण हैं। पहला, मुनाफावसूली क्योंकि पिछले हफ्तों में चांदी में लगातार तेजी देखने को मिली थी। दूसरा, अमेरिकी डॉलर की मजबूती जो सोने और चांदी जैसी कीमती धातुओं की कीमतों पर दबाव डालती है। डॉलर मजबूत होने के बाद निवेशक अन्य विकल्पों की ओर रुख करते हैं, जिससे धातुओं की मांग और कीमत में गिरावट आती है। बाजार विश्लेषकों ने मौजूदा गिरावट की तुलना 1980 के 'सिल्वर थर्सडे' से की है। उस समय हर्बर्ट और बंकर हंट नामक अमेरिकी अरबपतियों ने चांदी को बड़े पैमाने पर खरीदा था, जिससे कीमतें असामान्य रूप से बढ़ीं। नियामक हस्तक्षेप और मार्जिन नियमों में कड़ाई के कारण 27 मार्च 1980 को चांदी की कीमत एक ही दिन में 50 फीसदी गिरकर 11 डॉलर से नीचे चली गई। यह घटना चांदी के 'हाई-बीटा' स्वभाव को दर्शाती है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा फेड के नए चेयरमैन की घोषणा के बाद डॉलर मजबूत हुआ, जिससे कीमती धातुओं में दबाव बना। विशेषज्ञों का कहना है कि अभी बाजार में अस्थिरता बनी रहेगी। निवेशकों को संयम और सतर्कता से निवेश करने की आवश्यकता है, ताकि अचानक उतार-चढ़ाव से नुकसान कम किया जा सके।

सर्राफा बाजार से लेकर देश के वायदा बाजार मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में सोने और चांदी की कीमतों गिरावट के तेजी देखने को मिलेगी

चांदी का महा-क्रैश अभी बाकी!, बन सकता है गिरावट का नया रिकॉर्ड

नई दिल्ली।

गोल्ड और सिल्वर मार्केट क्रैश हो गया है। प्रॉफिट बुकिंग के कारण मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर चांदी 1.10 लाख रुपए गिर गई। अब 1 किलो चांदी 2.91 लाख रुपए में मिल रही है। एक दिन पहले यानी 29 जनवरी को चांदी 4.01 लाख रुपए प्रति किलो में मिल रही थी। वहीं सोने में भी 20 हजार रुपए की गिरावट रही। 10 ग्राम सोना 1.49 लाख रुपए पर आ गया। 29 जनवरी को सोना 1.69 लाख रुपए पर था। गुरुवार को जब चांदी 4.20 लाख के लेवल को पार कर गई थी, तब आम निवेशकों के मन में सवाल खड़ा हो गया था क्या चांदी के दाम फरवरी के महीने में 5 लाख रुपए के लेवल पर पहुंच जाएगी। ऐसा सोचना लाजिमी भी था। क्योंकि जनवरी के महीने में ही चांदी की कीमतों में 1.60 लाख रुपए से ज्यादा का इजाफा देखने को मिल चुका था। लेकिन उस दिन अमेरिकी सेंट्रल बैंक फेड रिजर्व की ओर से कुछ और पटकथा लिखी जा रही थी। जैसे ही फेड की ओर से ब्याज दरों में कोई बदलाव ना करने का फैसला लिया इंटरनेशनल मार्केट से लेकर देश के एमसीएक्स तक चांदी के दाम ऐसे धराशाई हुए जैसे रेत की दीवार ढह जाती है। चांदी के दाम लाइफ टाइम हाई से 1.28 लाख रुपए से ज्यादा कम हो गए।

वैसे एक फेड ही चांदी की कीमतों में गिरावट का बड़ा कारण नहीं रहा। गोल्ड सिल्वर रेश्यो और एक्सचेंज की ओर से खरीद फरोख्त के दौरान मार्जिन में इजाफा भी रहा। 30 जनवरी को कारोबारी सत्र के दौरान गोल्ड सिल्वर रेश्यो 60 के लेवल को पार कर गया। जो उससे पहले 50 से कम था। 26 जनवरी को तो आंकड़ा 43 के लेवल पर आ गया था। जिसके बाद निवेशकों की मुनाफावसूली ने भी तडक़े काम किया। जानकारों का मानना है कि चांदी की कीमतों में अभी गिरावट का सिलसिला रुकने वाला नहीं है। आने वाले दिनों में चांदी की कीमतों में और गिरावट देखने को मिल सकती है। कुछ एक्सपर्ट का मानना है कि 2.50 लाख या उससे भी नीचे भी आ सकते हैं.

चांदी की कीमतों में और आएगी गिरावट

या वेल्ड मैनेजमेंट के डायरेक्टर अनुज गुप्ता का कहना है कि चांदी की कीमतों में गिरावट का ट्रेंड अभी और देखने को मिल सकता है। आने वाले दिनों में चांदी के दाम में मौजूदा लेवल से 40 हजार रुपए की ओर गिरावट देखने को मिल सकती है। इसका मतलब है कि चांदी के दाकम 2.50 लाख रुपए के लेवल पर आ सकते हैं। उन्होंने कहा कि फेड की ओर से ब्याज दरों में कोई कटौती ना करने

का असर अभी और देखने को नहीं मिला है। साथ ही ट्रंप की ओर से टैरिफ को लेकर कोई नया बयान नहीं है। वहीं दूसरी ओर ट्रंप अब दुनिया में वेनेजुएला के ऑयल को मार्केट में लेकर आने की तैयारी कर रहे हैं। जोकि दुनियाभर की इकोनॉमीज के लिए एक पॉजिटिव साइन है। इसका मतलब है कि ट्रंप की ओर से किसी नए देश पर किसी तरह का नया टैरिफ ना लगाने का साइन मिल रहा है। जिससे निवेशकों का सेफ हैवन से मोह भंग हो सकता है और सोने और खासकर चांदी की कीमतों में और गिरावट देखने को मिल सकती है।

बढ़त और सतर्कता के बीच शेयर बाजार का मिला-जुला रुख रहा

सेंसेक्स सप्ताहांत पर 82,269 पर और निफ्टी 25,320 पर बंद हुआ

मुंबई । बीते सप्ताह भारतीय शेयर बाजारों में मिश्रित रुझान देखने को मिले। गणतंत्र दिवस 26 जनवरी के कारण सप्ताह छोटा था, लेकिन निवेशकों की गतिविधि और वैश्विक बाजारों के संकेतों ने बाजार की दिशा तय करने में अहम भूमिका निभाई। निवेशक केंद्रीय बजट 1 फरवरी की तैयारी में सतर्क दिखाई दिए, वहीं आईटी शेयरों में गिरावट और वैश्विक संकेतों ने बाजार में उतार-चढ़ाव को बढ़ाया। सप्ताह की शुरुआत मंगलवार को हुई, जब सेंसेक्स और निफ्टी शुरुआती गिरावट के बाद मजबूती के साथ उभरे। बीएसई सेंसेक्स 417.68 अंक की गिरावट के बाद 81,857.48 पर बंद हुआ, जबकि एनएसई निफ्टी 111.1 अंक नीचे से 25,175.40 पर बंद हुआ। इस दिन की तेजी में वैश्विक बाजारों का सकारात्मक रुख और ब्लू-चिप बैंक शेयरों में खरीदारी शामिल रही। बुधवार को भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते के प्रति निवेशकों के आशावाद से बाजार ने मजबूती दिखाई। सेंसेक्स ने 82,344.68 अंक पर, निफ्टी ने 25,342.75 पर सप्ताह के उच्चतम स्तरों के करीब बंद किया। गुरुवार को केंद्रीय बजट से पहले निवेशकों की सतर्कता के कारण शुरुआती कारोबार में गिरावट देखी गई, लेकिन दिन के अंत में बाजार ने सुधार किया। सेंसेक्स 82,566.37 और निफ्टी 25,418.90 अंक पर बंद हुए। शुक्रवार को आईटी शेयरों में कमजोरी और बजट से पहले सतर्क निवेश के कारण शुरुआती कारोबार में गिरावट दर्ज की गई। सेंसेक्स 296.59 अंक गिरकर

82,269.78 पर, निफ्टी 98.25 अंक की गिरावट के साथ 25,320.65 पर बंद हुआ। सप्ताह के दौरान बाजार में तीन दिन की तेजी के बाद शुक्रवार को थोड़ा दबाव देखा गया। साप्ताहिक दृष्टि से देखा जाए तो भारतीय शेयर बाजार में निवेशकों का रुख संतुलित और सतर्क रहा।

बजट के दिन 1 फरवरी को भी खुला रहेगा शेयर बाजार

नई दिल्ली । फरवरी का महीना भारतीय फाइनेंशियल सिस्टम के लिए अहम होता है, क्योंकि महीने के पहले दिन देश का बजट पेश किया जाता है। इस साल यूनियन बजट 2026 पहली बार रविवार, 1 फरवरी को पेश किया जाएगा। इसके बावजूद एनएसई, बीएसई, एमसीएक्स और एनसीडीईएक्स पर सभी सेगमेंट–इक्विटी, डेरिवेटिव, करेंसी और कमोडिटी–की ट्रेडिंग नियमित रूप से जारी रहेगी। निवेशकों को बजट के दिन भी बाजार खुला रहने का ध्यान रखना चाहिए। फरवरी में कोई अतिरिक्त ट्रेडिंग हॉलिडे नहीं है। महाशिवरात्रि 15 फरवरी को पड़ रही है, जो रविवार है। इस दिन भी बाजार साप्ताहिक बंदी के अलावा किसी और कारण से बंद नहीं रहेगा। शेयर बाजार फरवरी में केवल वीकेंड पर बंद रहेगा। बंद रहने वाली तारीखें हैं- 7, 8, 14, 15, 21, 22 और 28 फरवरी। निवेशकों को सेटलमेंट साइकिल और रीजनल बैंक छुट्टियों के अनुसार अपने निवेश की योजना बनानी चाहिए।

बजट से ऑटो सेक्टर को बड़ी उम्मीदें, ईवी और पॉलिसी स्टेबिलिटी पर नजर

नई दिल्ली ।

केंद्रीय बजट 2026 को लेकर ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री में बड़ी उम्मीदें हैं। 1 फरवरी को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण अपना नौवां बजट पेश करेंगी। बीते साल सितंबर में लागू हुए जीएसटी 2.0 सुधारों से वाहन सस्ते हुए और बिक्री में तेज बढ़ोतरी दर्ज की गई, जिससे ऑटो सेक्टर को मजबूत सहारा मिला। हालांकि इंडस्ट्री का कहना है कि इस तेजी को बनाए रखने के लिए बजट में पॉलिसी स्टेबिलिटी बेहद जरूरी है। कंपनियां चाहती हैं कि नियमों में बार-बार बदलाव न हो, ताकि लंबी अवधि की प्लानिंग और निवेश आसान हो सके। स्थिर नीतियों से विदेशी निवेश बढ़ने और लोकल मैन्युफैक्चरिंग को गति मिलने की उम्मीद है। आईसीई वाहनों को टैक्स राहत का लाभ मिला है, लेकिन अब हाइब्रिड और इलेक्ट्रिक वाहनों पर भी टैक्स में कटौती की मांग की जा रही है। इंडस्ट्री का मानना है कि ईवी की कीमतें पेट्रोल-डीजल वाहनों के करीब लाने के लिए टैक्स इंसेंटिव और चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर का विस्तार

जरूरी है। इसके साथ ही सप्लाई चेन को मजबूत करने, कस्टम ड्यूटी में सुधार, रिसर्च और स्किल डेवलपमेंट पर टैक्स छूट की उम्मीद जताई जा रही है। ऑटो सेक्टर को भरोसा है कि बजट 2026 इन क्षेत्रों पर फोकस कर भारत को ग्लोबल ऑटोमोबाइल हब बनाने में अहम भूमिका निभाएगा।

केंद्रीय बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की लागत दिसंबर में 18 फीसदी बढ़ी

- 392 परियोजनाओं की संशोधित लागत 35.1 लाख करोड़ रुपये पहुंची

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार की फंडिंग से चल रही बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की कुल लागत में दिसंबर महीने में लगभग 18.3 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (मॉस्पी) की ताजा फ्लैश रिपोर्ट के अनुसार, 150 करोड़ रुपये या उससे अधिक लागत वाली 1392 केंद्रीय क्षेत्र की परियोजनाओं की मूल अनुमानित लागत 29.7 लाख करोड़ रुपये थी, जो बढ़कर 35.1 लाख करोड़ रुपये हो गई है। हालांकि, लागत बढ़ने की रफ्तार नवंबर में दर्ज 22 प्रतिशत की वृद्धि की तुलना में कुछ धीमी रही। अगर पूर्ण संख्या के आधार पर देखा जाए तो दिसंबर में परियोजनाओं की लागत मूल अनुमान से 5.42 लाख करोड़ रुपये अधिक रही, जबकि नवंबर में यह बढ़ोतरी 5.37 लाख करोड़ रुपये थी। इससे स्पष्ट है कि प्रतिशत वृद्धि भले ही कम हुई हो, लेकिन वास्तविक रकम के लिहाज से लागत में इजाफा जारी है। मंत्रालयों में सबसे अधिक लागत बढ़ोतरी जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग में दर्ज की गई। इस विभाग की संशोधित लागत शुरुआती अनुमान

से दोगुनी से भी अधिक हो गई है। यहां 99,854 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई, जो 102 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाती है। वहीं दूरसंचार विभाग दूसरे स्थान पर रहा, जहां लागत में 1.22 लाख करोड़ रुपये या 80.36 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई। इसके अलावा खनन मंत्रालय में लगभग 27.7 प्रतिशत यानी 2,380 करोड़ रुपये की लागत वृद्धि हुई। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय की केंद्रीय परियोजनाओं में सबसे बड़ी हिस्सेदारी है, हालांकि यहां लागत में केवल 1.96 प्रतिशत या लगभग 10,358 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई। अन्य क्षेत्रों में रेलवे, इस्पात, बिजली और पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस के तहत परियोजनाओं की लागत में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई। इसके विपरीत उच्च शिक्षा और खेल जैसे कुछ मंत्रालयों में संशोधित व्यय मूल अनुमानों से कम रहा।

एसयूवी एमजी मजेस्टर को बाजार में उतारने की तैयारी

नई दिल्ली ।

सबसे प्रीमियम एसयूवी एमजी मजेस्टर को जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया कंपनी भारतीय बाजार में उतारने की तैयारी में है। एमजी मजेस्टर को मौजूदा ग्लोस्टर से भी ज्यादा प्रीमियम बनाया गया है।यह भारत के नए डी प्लस एसयूवी सेगमेंट में एंट्री करेगी, जहां पहले से मौजूद दिग्गज गाड़ियों को कड़ी चुनौती मिलने की उम्मीद है। कंपनी इस फ्लैगशिप एसयूवी को 12 फरवरी 2026 को आधिकारिक तौर पर पेश करेगी। एमजी द्वारा जारी पहले टीजर में मजेस्टर की विशालकाय साइज और दमदार रोड प्रेजेंस साफ नजर आती है। कंपनी का दावा है कि यह भारत की सबसे लंबी, चौड़ी और ऊंची एसयूवी होगी। इसके फ्रंट में नया मजेस्टिक मैट्रिक्स ग्रिल, शार्प फाल्कन-स्टाइल एलईडी डीआरएलएस और स्प्लिट हेडलैंप सेटअप दिया गया है, जो इसे आक्रामक और प्रीमियम लुक देता है।

कुल मिलाकर इसका डिजाइन फुल-साइज एसयूवी खरीदारों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। एमजी मजेस्टर को पहले भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो 2025 में शोकेस किया जा चुका है, जहां यह एमजी सायबस्टर और एमजी एम9 के साथ नजर आई थी। ग्लोस्टर के मुकाबले इसमें ज्यादा मस्कुलर स्टांस, नए बंपर, डार्क-थीम ग्रिल एलिमेंट्स, चौड़े व्हील आर्च और बड़े अलॉय व्हील्स मिलने की उम्मीद है। पीछे की तरफ नए डिजाइन के टेललैंप, डुअल एग्जॉस्ट और मजेस्टर बैजिंग इसे अलग पहचान देते हैं। यह एसयूवी मेक्सस डी 90 के बॉडी-ऑन-फ्रेम प्लेटफॉर्म पर आधारित होगी, जिससे इसकी मजबूती और ऑफ-रोड क्षमता का अंदाजा लगाया जा सकता है। फीचर्स की बात करें तो एमजी मजेस्टर में बड़ा टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम, डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, पैनोरमिक सनरूफ, वेंटिलेटेड सीट्स, 360-डिग्री कैमरा और लेवल-2 अडास जैसे एडवांस सेफ्टी फीचर्स दिए जा सकते हैं। इसमें 2.0-लीटर ट्विन-टर्बो डीजल इंजन मिलने की संभावना है, जो 213 बीएचपी की पावर और 478 एनएम का टॉर्क देता है, साथ ही ऑटोमैटिक गियरबॉक्स और संभावित 4डब्ल्यूडी सिस्टम भी मिलेगा।

छोटी कंपनी ने रिटेल निवेशकों को दिया मल्टी बैगर मुनाफा

1 लाख के 1 साल में बना दिए 4.7 लाख रुपए

नई दिल्ली ।

पिछले एक साल में शेयर बाजार में कई उतार-चढ़ाव और ट्रेड वॉर जैसी चुनौतियों के बीच सिंथको फो लिस ने निवेशकों को हैरान कर दिया। कंपनी का शेयर अप्रैल 2025 के बाद लगातार ऊपर की ओर बढ़ता रहा। जहां इसका भाव पहले 455 रुपए था, वहीं अब यह 1,855 रुपए के स्तर को पार कर चुका है और साल में 2,610 रुपये के उच्चतम स्तर तक भी पहुंच चुका है। अगर किसी निवेशक ने साल भर पहले इस कंपनी में 1 लाख रुपये निवेश किए होते, तो आज उनकी वैल्यू लगभग 4.7 लाख रुपये तक पहुंच चुकी होती।

यह करीब 370 फीसदी का रिटर्न दर्शाता है। खास बात यह है कि इसमें बड़े संस्थागत निवेशकों के बजाय आम रिटेल निवेशकों को सबसे ज्यादा लाभ मिला। कंपनी का बड़ा हिस्सा छोटे शेयरधारकों के पास होने के कारण मुनाफा सीधे आम जनता तक पहुंचा।

1994 में स्थापित सिंथिको फो लिस एल्युमिनियम पैकेजिंग क्षेत्र की एक मजबूत कंपनी है। यह खाद्य पैकेजिंग, दवा पैकेजिंग के लिए ब्लिस्टर फॉइल्स, लैमिनेट्स और लिड्स तैयार करती है। भरोसेमंद वेंडर्स से उच्च गुणवत्ता का कच्चा माल लेने वाली यह कंपनी उद्योग में अपनी विश्वसनीयता के लिए जानी जाती है।

सिंथिको फालिस की सफलता इस बात का उदाहरण है कि कभी-कभी बड़े नामों के मुकाबले छोटी कंपनियां रिटेल निवेशकों को असाधारण लाभ दे सकती हैं। स्थिर बिज़नेस मॉडल और रोज़मर्रा की आवश्यकताओं पर आधारित उत्पादों ने कंपनी की ग्रोथ को मजबूती दी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आईसीसी पुरुष अंडर-19 विश्व कप : एशिया कप फाइनल की हार का बदला लेने उतरेगा भारत, तेंदुलकर ने बढ़ाया हौसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईसीसी पुरुष अंडर-19 विश्व कप के सुपर सिक्स मुकाबले में रविवार को बुलावायो में भारत और पाकिस्तान की टीमें आमने-सामने होंगी। पांच बार की चैंपियन भारतीय टीम के लिए यह मुकाबला सिर्फ जीत का नहीं, बल्कि एशिया कप फाइनल में मिली करारी हार का हिसाब चुकता करने का मौका भी है। आयुष म्हात्रे की कप्तानी में भारत अब तक शानदार फॉर्म में रहा है, जबकि पाकिस्तान भी आत्मविश्वास से भरा हुआ है। ऐसे में यह महामुकाबला रोमांच से भरपूर होने वाला है।

एशिया कप फाइनल की टीस अब भी ताजा

पिछले साल दिसंबर में दुबई में खेले गए अंडर-19 एशिया कप फाइनल में भारत को पाकिस्तान के हाथों 191 रनों की भारी हार झेलनी पड़ी थी। हालांकि उसी टूर्नामेंट के ग्रुप स्टेज में भारत ने पाकिस्तान को 90 रनों से मात दी थी, लेकिन फाइनल की हार अब भी खिलाड़ियों के ज़हन में है। सुपर सिक्स का यह मैच भारत के लिए उसी हार का बदला लेने का सुनहरा मौका बनकर आया है।

'नो हैंडशेक' नीति पर नजर

पहलगाम आतंकी हमले और उसके बाद ऑपरेशन सिंदूर के चलते भारत और पाकिस्तान के बीच 'नो हैंडशेक' नीति जारी रहने की संभावना है। अंडर-19 एशिया कप के दौरान भी भारतीय टीम ने पाकिस्तान के खिलाफ मैचों के बाद हाथ मिलाने से परहेज किया था। माना जा रहा है कि यह रुख इस मुकाबले में भी देखने को मिल सकता है।

सचिन तेंदुलकर की वर्चुअल पेप टॉक

मैच से पहले भारतीय खिलाड़ियों को महान बल्लेबाज़ सचिन तेंदुलकर से वर्चुअल बातचीत का मौका मिला, जिसने टीम का मनोबल और बढ़ा दिया। बीसीसीआई के मुताबिक, सचिन ने खिलाड़ियों को सिर्फ तकनीक और फिटनेस ही नहीं, बल्कि फोकस, अनुशासन, विनम्रता और सफलता के बावजूद ज़मीन से जुड़े रहने का महत्व समझाया। वीवीएस लक्ष्मण ने भी माना कि यह अनुभव खिलाड़ियों के लिए लंबे समय तक यादगार रहेगा।

भारत का अब तक का दमदार प्रदर्शन

भारतीय अंडर-19 टीम ने टूर्नामेंट में अब तक शानदार खेल दिखाया है। भारत ने अपने अभियान की शुरुआत रू पर छह विकेट की जीत से की, इसके बाद ग्रुप स्टेज में बांग्लादेश और न्यूजीलैंड को हराया। सुपर सिक्स के पहले मैच में भारत ने मेजबान जिम्बाब्वे को 204 रनों से रौंदकर अपनी अजेय लय बरकरार रखी।

भारतीय बल्लेबाजों और गेंदबाजों पर नजर

बल्लेबाज़ी में विकेटकीपर अभिज्ञान कुंडू और वैभव सूर्यवंशी लगातार रन बना रहे हैं और दोनों अब तक दो-दो अर्धशतक जड़ चुके हैं। विहान मल्होत्रा भी शानदार फॉर्म में हैं, जिन्होंने जिम्बाब्वे के खिलाफ नाबाद शतक जमाया था। गेंदबाजी में हेनिल पटेल सबसे सफल रहे हैं, जबकि उद्धव मोहन और कप्तान आयुष

म्हात्रे ने भी अहम मौकों पर विकेट चटकाए हैं।

पाकिस्तान की ताकत और खतरा

पाकिस्तान ने टूर्नामेंट की धीमी शुरुआत के बाद शानदार वापसी की है। न्यूजीलैंड के खिलाफ सुपर सिक्स में आठ विकेट की जीत ने उनका आत्मविश्वास बढ़ाया है। ओपनर समीर मिन्हास भारत के लिए सबसे बड़ा खतरा होंगे, जिन्होंने एशिया कप फाइनल में 172 रनों की ऐतिहासिक पारी खेली थी। गेंदबाज़ी में अली रजा और अब्दुल सुभान की जोड़ी भारतीय बल्लेबाज़ों की कड़ी परीक्षा ले सकती है।

पीवी सिंधु इंडोनेशिया मास्टर्स के क्वार्टरफाइनल में, टॉप सीड चेन यू फी से होगी टक्कर

जकार्ता (एजेंसी)। भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु ने दाइहात्सु इंडोनेशिया मास्टर्स 2026 के क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली है। अब शुक्रवार को उनका सामना टॉप सीड चीन की चेन यू फी से होगा। हेड-टू-हेड रिकॉर्ड में चेन यू फी 7-6 से आगे हैं, ऐसे में मुकाबला बेहद रोमांचक होने की उम्मीद है। प्री-क्वार्टरफाइनल में सिंधु ने डेनमार्क की लाइन होजमार्क कजर्सफेल्ट को 43 मिनट चले मुकाबले में 21-19, 21-18 से हराकर शानदार जीत दर्ज की।

इससे पहले सातवीं सीड लक्ष्य सेन ने भी दमदार प्रदर्शन करते हुए हांगकांग के जेसन गुनावन को महज 43 मिनट में 21-10, 21-11 से मात दी। लक्ष्य का अगला मुकाबला थाईलैंड के पानित्वाफोन टीरारत्सकुल से होगा।

वहीं युवा खिलाड़ी अनमोल खरब ने पूर्व वर्ल्ड नंबर-1 और ओलंपिक कांस्य पदक विजेता नोजोमी ओकुहारा को कड़ी टक्कर दी। अनमोल ने पहला गेम 21-16 से जीता, लेकिन बाद के गेम गंवाकर मुकाबला हार गईं।

दूसरी ओर, पुरुष एकल में किदांबी श्रीकांत और पुरुष युगल में हरिहरन अमसकारुणन/एम आर अर्जुन का सफर टूर्नामेंट में समाप्त हो गया।

टी20 वर्ल्ड कप 2026 के लिए ऑस्ट्रेलिया की फाइनल टीम घोषित, पैट कमिंस चोटिल होकर बाहर

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया ने 7 फरवरी से भारत और श्रीलंका में शुरू होने वाले टी20 वर्ल्ड कप 2026 के लिए अपनी 15 सदस्यीय फाइनल टीम का ऐलान कर दिया है। टूर्नामेंट शुरू होने से ठीक पहले टीम को बड़ा झटका लगा है, क्योंकि तेज गेंदबाज पैट कमिंस पीठ की चोट के कारण पूरे वर्ल्ड कप से बाहर हो गए हैं। कमिंस के साथ-साथ एक और बड़ा बदलाव करते हुए टॉप-ऑर्डर बल्लेबाज मैथ्यू शॉर्ट को भी स्क्वॉड से बाहर कर दिया गया है। उनकी जगह बाएं हाथ के तेज गेंदबाज बेन ड्वार्शियस को टीम में शामिल किया गया है। इसके अलावा बिग बैश में शानदार प्रदर्शन के बावजूद स्टीव स्मिथ को अंतिम टीम में जगह नहीं मिली है। स्क्वॉड में शामिल किए गए बेन ड्वार्शियस और बल्लेबाज मैथ्यू रेनशॉ को लेकर चयनकर्ता टोनी डोडमाइड ने भरोसा जताया है कि ये दोनों खिलाड़ी आगामी वर्ल्ड कप में अहम भूमिका निभा सकते हैं। डोडमाइड ने बताया कि ड्वार्शियस न सिर्फ तेज गेंदबाजी में विविधता ला सकते हैं, बल्कि शानदार फील्डिंग और लोअर-ऑर्डर बल्लेबाजी से भी टीम को मजबूती देंगे। कमिंस की अनुपस्थिति में ड्वार्शियस को टीम का संतुलन बनाए रखने के लिए एक उपयुक्त विकल्प माना जा रहा है। हेजलवुड, टिम डेविड और नाथन एलिस जैसे मुख्य खिलाड़ी चोट के कारण लंबे समय तक बाहर रहने के बाद अब पूरी तरह फिट घोषित किए गए हैं। हेजलवुड एशेज से पहले हैमस्ट्रिंग और अकिलीज की चोट के कारण मैदान से दूर थे, जबकि टिम डेविड हैमस्ट्रिंग समस्याओं से जूझ रहे थे और बिग बैश लीग व पाकिस्तान के खिलाफ सीरीज नहीं खेल पाए। नाथन एलिस भी हल्की हैमस्ट्रिंग चोट के चलते बीबीएल फाइनल और पाकिस्तान दौरे से बाहर थे, लेकिन अब सभी खिलाड़ी चयन के लिए उपलब्ध हैं।

ऑस्ट्रेलिया टी20 वर्ल्ड कप टीम: मिशेल मार्श (कप्तान), जेवियर बार्टलेट, कूपर कॉनोली, टिम डेविड, बेन ड्वारशुइस, कैमरन ग्रीन, नाथन एलिस, जोश हेज़लवुड, ट्रैविस हेड, जोश इंग्लिस, मैथ्यू कुह्नमैन, ग्लेन मैक्सवेल, मैथ्यू रेनशॉ, मार्कस स्टोइनिस, एडम ज़म्पा

वैभव सूर्यवंशी को नेशनल टीम में शामिल करने का समय आ गया: सबा करीम

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2025 में डेब्यू करते ही क्रिकेट जगत में धमाल मचाने वाले 14 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अपना जलवा बिखेरने के बेहद करीब पहुंच चुके हैं। पूर्व भारतीय क्रिकेटर सबा करीम का मानना है कि वैभव को टीम इंडिया में शामिल करने का यह सही समय है। वैभव फिलहाल अंडर-19 वर्ल्ड कप में शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं, जहां उन्होंने दो तेजतर्रार अर्धशतक लगाकर टीम इंडिया की जीत में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

सबा करीम वैभव की प्रतिभा से बेहद प्रभावित नजर आए। उन्होंने कहा, 'वह बहुत ही प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं। उन्हें खेलते हुए देखकर मुझे बेहद खुशी होती है। मुझे लगता है कि अब उन्हें इंडियन नेशनल टीम में शामिल करने का समय आ गया है।' उन्होंने यह भी बताया कि वैभव को लेकर सभी स्तरों पर नजर रखी जा रही है। उन्होंने कहा कि स्टेट एसोसिएशन, बीसीसीआई का सेंटर ऑफ एक्सीलेंस और आईपीएल

फ्रेंचाइजी राजस्थान रॉयल्स लगातार वैभव की प्रोग्रेस पर ध्यान दे रहे हैं। उनके अनुसार, 'बहुत जल्द ऐसा समय आएगा जब हम वैभव को भारत की सीनियर टीम में खेलते देखेंगे।'

वैभव सूर्यवंशी का ग्राफ बेहद तेजी से ऊपर उठा है। आईपीएल में वह सबसे युवा शतकवीर बने थे। राजस्थान रॉयल्स की ओर से खेलते हुए उन्होंने गुजरात टाइटंस के खिलाफ सिर्फ 35 गेंदों में शतक ठोक दिया था। यह आईपीएल इतिहास का दूसरा सबसे तेज शतक है। उनसे आगे केवल क्रिस गेल हैं, जिन्होंने 2013 में 30 गेंदों में शतक लगाया था। आईपीएल के बाद भी वैभव का बल्ला लगातार आग उगलता रहा। ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड की अंडर-19 टीमों के खिलाफ उन्होंने जमकर रन लुटाए। विजय हजारे ट्रॉफी और रणजी ट्रॉफी में भी वैभव ने शतक जड़कर अपनी क्षमता साबित की।

अंडर-19 वर्ल्ड कप से पहले उन्हें साउथ अफ्रीका दौरे के लिए भारतीय अंडर-19 टीम का कप्तान बनाया गया था, जहां उनकी कप्तानी में भारत ने यूथ वनडे सीरीज जीती। इस सीरीज में भी उन्होंने एक धुआंधार शतक जड़ा। वर्ल्ड कप में भी वैभव अपने दमदार अंदाज में रन बनाते जा रहे हैं। उनकी निरंतरता, तकनीक और मैच पर पकड़ बनाने की क्षमता उन्हें भारत की सीनियर टीम के लिए गंभीर दावेदार बनाती है। अगर वैभव इसी तरह प्रदर्शन जारी रखते हैं तो वह दिन दूर नहीं, जब भारतीय क्रिकेट टीम में उन्हें जगह मिल जाएगी। 14 साल की उम्र में वे जिस स्तर का क्रिकेट खेल रहे हैं, उसने भारतीय क्रिकेट में नई उम्मीद जगा दी है।

एफआईएच पुरुष प्रो हॉकी की तैयारियों के लिए एक फरवरी से लगेगा शिविर : हॉकी इंडिया

नई दिल्ली ।हॉकी इंडिया ने कहा है कि एफआईएच पुरुष प्रो हॉकी लीग की तैयारियों के सीनियर पुरुष राष्ट्रीय कोचिंग शिविर एक से सात फरवरी तक चलेगा।इस शिविर के लिए 33-सदस्यीय संभावित कोर ग्रुप की भी घोषणा कर दी गयी है। एफआईएच पुरुष प्रो हॉकी लीग 10 से 15 फरवरी तक बिरसा मुंडा अंतरराष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम में आयोजित की जाएगी।इससे पहले टीम ने हीरो हॉकी इंडिया लीग में खेला था।जिसने कई खिलाड़ियों को अच्छा अनुभव मिला है।भारतीय पुरुष हॉकी टीम के मुख्य कोच क्रेग फल्टन ने कहा, हीरो हॉकी इंडिया लीग के बाद, हमें लगा कि यह टीम में बदलाव करने का सही समय है। हमने काम का बोझ कम करने के लिए कुछ सीनियर खिलाड़ियों को आराम दिया है, जबकि उन नये खिलाड़ियों को मौका दिया है जिन्होंने अच्छा प्रदर्शन किया है।

प्रो लीग में प्रदर्शन के आधार पर ही विश्व कप और एशियाई खेलों की टीम का चयन होगा।अब नये स शिविर में पवन, सूरज करकेरा, मोहित होन्नेनहल्ली शशिकुमार और प्रिंसदीप सिंह गोलकीपर के तौर पर शामिल होंगे।वहीं, रक्षापंक्ति में अमित रोहिदास, जरमनप्रीत सिंह, संजय, हरमनप्रीत सिंह, जुगराज सिंह, सुमित, पूवन्ना चंदुरा बॉबी, यशदीप सिवाच, नीलम संजीव ज़ेस और अमनदीप लाकरा शामिल हैं।मिडफील्ड में, ग्रुप में राजिंदर सिंह, मनमीत सिंह, हार्दिक सिंह, मोइरंगथेम रबिचंद्र सिंह, विवेक सागर प्रसाद, विष्णु कांत सिंह, राज कुमार पाल, नीलाकांता शर्मा और रोशन कुजूर हैं। फॉरवर्ड लाइन में अभिषेक, सुखजीत सिंह, शिलानंद लाकरा, मनदीप सिंह, अरजीत सिंह हुंदल, अंगद बीर सिंह, उत्तम सिंह, सेल्वम कार्थी, आदित्य अर्जुन लालागे और मनिंदर सिंह शामिल हैं।

सैमसन पर भरोसा रखें, टी20 विश्वकप में उपयोगी साबित होंगे : रैना

मुम्बई ।भारतीय टीम के पूर्व बल्लेबाज सुरेश रैना ने कहा है कि विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन का प्रदर्शन न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज में भले ही अच्छा नहीं रहा हो पर वह अगले माह होने वाले टी20 विश्वकप में उपयोगी साबित होंगे।इसलिए उनको टीम में बनाये रखना चाहिये।रैना के अनुसार खराब आंकड़ों के बावजूद सैमसन जैसे खिलाड़ी को लगातार अवसर देना भारत के लिए लाभदायक साबित हो सकता है।रैना ने साफ कहा कि सैमसन के खराब फॉर्म पर जरूरत से ज्यादा चिन्ता की जरूरत नहीं है।जनवरी 2025 के बाद से उनका औसत भले ही 20 से नीचे रहा हो पर रैना के मुताबिक क्लास कभी खत्म नहीं होती।उन्होंने टीम मैनेजमेंट को सलाह दी कि सैमसन के साथ वही धैर्य दिखाया जाए, जो एक समय सूर्यकुमार यादव के मामले में दिखाया गया था। रैना ने कहा कि जब सूर्या रन नहीं बना पा रहे थे, तब भी कप्तान और कोच ने उन पर भरोसा बनाए रखा, और इससे वह एक बार फिर बेहतर प्रदर्शन करने लगे हैं।रैना ने सैमसन की स्थिति की तुलना सीधे सूर्यकुमार से की। उनके अनुसार, 卐लगभग एक साल तक सूर्यकुमार रन नहीं बना पाए थे, लेकिन टीम ने उन्हें लगातार मौके दिए। वही भरोसा अगर सैमसन को मिला, तो वह भी मैच विजेता बनकर उभर सकते हैं।卐 रैना का मानना है कि सैमसन का पिछला रिकॉर्ड, खासकर विदेशी दौरों पर लगाया गया शतक, उनकी क्षमता को दिखाता है।रैना के अनुसार भारत का शीर्ष क्रम ही उसकी जीत तय करेगा।उन्होंने कहा कि यही चार बल्लेबाज़ तय करेंगे कि टीम 170 तक पहुंचेगी या 210 के पार जाएगी। रैना के मुताबिक, टॉप-4 का काम सिर्फ टिककर खेलना नहीं, बल्कि शुरुआती बढ़त को बड़े स्कोर में बदलना है।रैना ने अभिषेक शर्मा और ईशान किशन की सालमी जोड़ी की खुलकर तारीफ की। उन्होंने उनकी निडर बल्लेबाज़ी को लाभदायक बताया। उनका कहना है कि यह जोड़ी पहले 10 ओवर में ही 140-150 रन बनाने की क्षमता रखती है।साथ ही कहा कि मध्यक्रम में पारी को संभालने के लिए सूर्यकुमार यादव, रिंकू सिंह और हार्दिक पांड्या जैसे खिलाड़ी हैं।

ऑस्ट्रेलियन ओपन : रायबाकिना ने नंबर-1 सबालेंका को हराकर जीता खिताब

मेलबर्न (एजेंसी)। कजाकिस्तान की स्टार टेनिस खिलाड़ी एलेना रायबाकिना ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विश्व नंबर-1 आर्यना सबालेंका को हराकर ऑस्ट्रेलियन ओपन 2026 महिला एकल का खिताब अपने नाम कर लिया। रायबाकिना ने रॉड लेवर एरिना में खेले गए फाइनल मुकाबले में सबालेंका को 6-4, 4-6, 6-4 से हराया। यह मुकाबला करीब 2 घंटे 18 मिनट तक चला।

2023 फाइनल की हार का लिया बदला

26 वर्षीय रायबाकिना ने इस जीत के साथ 2023 ऑस्ट्रेलियन ओपन फाइनल में सबालेंका से मिली हार का बदला भी पूरा कर लिया। उस फाइनल में रायबाकिना ने पहला सेट जीतने के बावजूद मैच गंवा दिया था, लेकिन इस बार उन्होंने कोई गलती नहीं की और दमदार वापसी करते हुए खिताब अपने नाम किया।

तीसरे सेट में 3-0 से पिछड़ने के बाद की शानदार वापसी

पांचवीं वरीयता प्राप्त रायबाकिना ने पहला सेट 6-4 से जीता, जबकि सबालेंका ने दूसरे सेट में वापसी करते हुए 6-4 से जीत दर्ज कर मुकाबला निर्णायक सेट में पहुंचा दिया। तीसरे सेट में रायबाकिना 0-3 से पिछड़ गई थीं, लेकिन इसके बाद उन्होंने लगातार पांच गेम जीतकर मैच का रुख पूरी तरह बदल दिया। अंत में उन्होंने अपने पहले चैम्पियनशिप पॉइंट पर ऐस लगाकर मुकाबला खत्म किया।

करियर का दूसरा ग्रैंड स्लैम खिताब

यह रायबाकिना का करियर का दूसरा

ग्रैंड स्लैम खिताब है। इससे पहले उन्होंने 2022 में विंबलडन का खिताब जीता था। वहीं सबालेंका लगातार चौथी बार ऑस्ट्रेलियन ओपन फाइनल में पहुंची थीं, जो ओपन युग में इससे पहले केवल इवोन गुलागोंग और मार्टिना हिंगिस ही कर पाई थीं।

थाईलैंड मास्टस : भारतीय बैडमिंटन स्टार देविका सिहाग फाइनल में पहुंची

बैंकॉक (एजेंसी)। भारत की उभरती हुई बैडमिंटन स्टार देविका सिहाग ने शानदार प्रदर्शन करते हुए थाईलैंड मास्टर्स बैडमिंटन टूर्नामेंट के महिला एकल फाइनल में जगह बना ली है। 2.5 लाख डॉलर इनामी राशि वाले इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में देविका ने सेमीफाइनल में दुनिया की 35वीं रैंकिंग वाली खिलाड़ी हुआंग यू सुन को सीधे गेम में हराकर बड़ा उलटफेर किया।

सीधे गेम में दर्ज की दमदार जीत- 20 वर्षीय भारतीय खिलाड़ी देविका सिहाग, जो इस टूर्नामेंट में गैर-वरीय खिलाड़ी के रूप में उतरी थीं, ने पांचवीं वरीयता प्राप्त हुआंग यू सुन को 22-20, 21-13 से हराया। पहले गेम में दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला, लेकिन देविका ने दबाव के क्षणों में शानदार संयम दिखाते हुए गेम अपने नाम किया। दूसरे गेम में उन्होंने आक्रामक खेल दिखाते हुए विरोधी खिलाड़ी को वापसी का मौका नहीं दिया और मुकाबला आसानी से जीत लिया।

खिताब के लिए गोह जिन वेइ से होगा मुकाबला- फाइनल मुकाबले में अब देविका सिहाग का सामना मलेशिया की स्टार खिलाड़ी गोह जिन वेइ से होगा।यह मुकाबला देविका के करियर का सबसे बड़ा मैच साबित हो सकता है, जहां वह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपना पहला बड़ा खिताब जीतने के इरादे से उतरेंगी।

भारतीय बैडमिंटन को मिली नई उम्मीद- देविका की इस उपलब्धि को भारतीय बैडमिंटन के लिए बड़ी सफलता माना जा रहा है।युवा खिलाड़ी के इस प्रदर्शन ने यह साबित किया है कि भारत के पास भविष्य के लिए मजबूत प्रतिभाएं मौजूद हैं, जो बड़े मंच पर देश का नाम रोशन करने की क्षमता रखती हैं।

इंग्लैंड कप्तान हैरी ब्रूक ने माना गलती, नाइट क्लब विवाद में साथियों को बचाने के लिए बोला था झूठ

कोलंबो ।इंग्लैंड की व्हाइट-बॉल टीम के कप्तान हैरी ब्रूक ने आखिरकार स्वीकार कर लिया है कि पिछले साल वेलिंगटन में नाइट क्लब में हुई घटना के बारे में उन्होंने शुरुआत में सच नहीं बताया था।ब्रूक ने माना कि उन्होंने जानबूझकर अपना बयान गलत दिया था, ताकि उस रात क्लब में मौजूद अपने टीम साथियों को मुसीबत से बचाया जा सके।यह घटना 31 अक्टूबर को न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के आखिरी मुकाबले से एक दिन पहले हुई थी।शुरुआत में ब्रूक ने दावा किया था कि बाउंसर के साथ बहस के दौरान वह अकेले थे, लेकिन हाल ही में सामने आई रिपोर्टों और श्रीलंका पर इंग्लैंड की टी20 जीत के बाद उन्होंने खुलासा किया कि उस रात कुछ और खिलाड़ी भी उनके साथ थे।ब्रूक ने कहा कि वह वेलिंगटन में अपने व्यवहार की पूरी जिम्मेदारी लेते हैं और मानते हैं कि उन्होंने गलत बयान देकर साथियों को बचाने की कोशिश की।उन्होंने कहा, 卐मुझे अपनी बातों पर पछतावा है।मेरा मकसद किसी को परेशानी में डालना नहीं था।मैंने टीम से माफी मांग ली है और भविष्य में ऐसी गलती न करने की सीख ले रहा हूं।卐 उनके इस स्वीकारोक्ति के बाद पिछले वर्ष दिए गए उनके बयान पर सवाल उठने लगे हैं, जिसमें वह लगातार खुद को अकेला बताते रहे थे।इस घटना के चलते इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने ब्रूक पर 30,000 यूरो का जुर्माना लगाया और उन्हें अंतिम चेतावनी भी जारी की।यह मामला उस समय अधिक चर्चा में आया जब इंग्लैंड को ऑस्ट्रेलिया में शर्मनाक हार का सामना करना पड़ा।इसके बाद टीम के अनुशासन पर गंभीर सवाल उठने लगे।हाल के महीनों में इंग्लैंड खिलाड़ियों की ऑफ-फील्ड गतिविधियों ने विवादों को हवा दी है एडिलेड में एशेज टेस्ट से पहले नूसा की ट्रिप, और सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो में बेन डकेट और बेथेल को शराब और वेपिंग करते देखा गया।इन घटनाओं ने इंग्लैंड टीम के अनुशासन पर कई सवाल खड़े किए हैं।

ऑस्ट्रेलियन ओपन 2026: अल्काराज और जोकोविच के बीच खिताब की जंग

मेलबर्न (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियन ओपन 2026 का पुरुष सिंगल्स फाइनल अब टेनिस के दो दिग्गज खिलाड़ियों कार्लोस अल्काराज और नोवाक जोकोविच के बीच खेला जाएगा। दोनों खिलाड़ियों ने अपने-अपने सेमीफाइनल मुकाबलों में शानदार जीत दर्ज कर फाइनल में जगह बनाई है। यह मुकाबला टेनिस प्रशंसकों के लिए हाई-वोल्टेज टक्कर साबित होने वाला है।

अल्काराज ने मैराथन मुकाबले में ज़्वेरेव को हराया

स्पेन के स्टार खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज ने सेमीफाइनल में अलेक्जेंडर ज़्वेरेव को रोमांचक मुकाबले में 6-4, 7-6(5), 6-7(3), 6-7(4), 7-5 से हराया। यह मुकाबला पांच घंटे 27 मिनट तक चला और ऑस्ट्रेलियन ओपन इतिहास का सबसे लंबा सेमीफाइनल बन गया।

मैच के दौरान अल्काराज को तीसरे सेट में दाहिने पैर में चोट लग गई थी, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। निर्णायक सेट में 3-5 से पिछड़ने के बाद अल्काराज ने शानदार वापसी करते हुए लगातार चार गेम जीतकर मैच अपने नाम कर लिया। जीत के बाद अल्काराज ने कहा कि मुश्किल हालात में खुद पर भरोसा बनाए रखना ही उनकी सफलता का सबसे बड़ा कारण रहा।

जोकोविच ने सिनर को हराकर रचा इतिहास के करीब कदम

दूसरे सेमीफाइनल में सर्बिया के दिग्गज खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने दूसरी वरीयता प्राप्त जैनिक सिनर को 3-6, 6-3, 4-6, 6-4, 6-4 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। इस जीत के साथ जोकोविच रिकॉर्ड 25वें ग्रैंड स्लैम खिताब और मेलबर्न में 11वें खिताब से सिर्फ एक कदम दूर पहुंच गए हैं।

38 वर्षीय जोकोविच ने मैच में शानदार वापसी करते हुए पहला सेट हारने और फिर दो सेट में पीछे रहने के बावजूद जीत हासिल की। उन्होंने सिनर के खिलाफ लगातार पांच हार का सिलसिला भी खत्म कर दिया।

फाइनल में रिकॉर्ड और इतिहास दांव पर

जोकोविच ने 2023 यूएस ओपन के बाद से कोई ग्रैंड स्लैम खिताब नहीं जीता है, जबकि अल्काराज और सिनर ने पिछले आठ मेजर खिताब आपस में बांटे हैं। ऐसे में जोकोविच के पास वापसी कर इतिहास रचने का सुनहरा मौका होगा।

वहीं अल्काराज अगर फाइनल जीतते हैं तो वह करियर ग्रैंड स्लैम पूरा करने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन जाएंगे और यह रिकॉर्ड अपने देश के राफेल नडाल से छीन सकते हैं।

हेड-टू-हेड में जोकोविच को बढ़त

दोनों खिलाड़ियों के बीच अब तक खेले गए मुकाबलों में जोकोविच 5-4 से मामूली

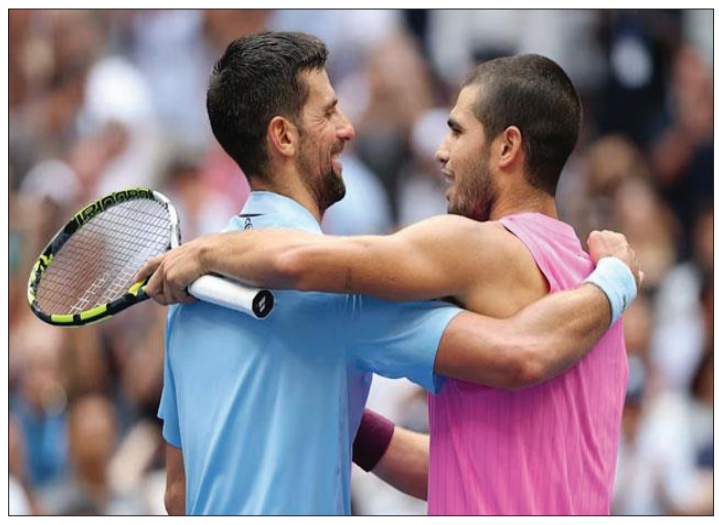

बढ़त बनाए हुए हैं। पिछले साल मेलबर्न में भी जोकोविच ने क्वार्टरफाइनल में अल्काराज को हराया था। ऐसे में फाइनल मुकाबला बेहद रोमांचक होने की उम्मीद है।

डुमिनी को इस बार दक्षिण अफीका के टी20 विश्वकप जीतने की उम्मीदें

जोहांसबर्ग ।दक्षिण अफीका के पूर्व ऑलराउंडर जेपी डुमिनी को उम्मीद है कि इस बार उनकी टीम अगले माह होने वाले टी20 विश्वकप को जीतने में सफल रहेगी। डुमिनी के

अनुसार इस बार उनकी टीम का प्रदर्शन पहले से काफी अच्छा रहा है जिससे उसे जीत मिलने की पूरी संभावनाएं हैं।इस पूर्व क्रिकेटर के अनुसार हाल के महीनों में सफेद गेंद क्रिकेट में टीम का प्रदर्शन लगातार बेहतर होता आया है।साथ ही कहा कि में टीम के सभी खिलाड़ी फार्म में नजर आ रहे हैं।कप्तान एडेन मार्करम की कुशल कप्तानी का भी टीम को लाभ मिलेगा।टीम ने अब तक कोई भी आईसीसी विश्वकप कप में खिताब नहीं जीता है।टी20 वर्ल्ड कप में पिछली बार टीम फाइनल में पहुंची थी पर तब उसे भारतीय टीम के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था।उस हार के बाद से ही टीम ने काफी सुधार किये हैं।जिससे भी उसकी उम्मीदें बढ़ी हैं। डुमिनी ने कहा कि ये टीम संतुलित है और बेहतर फॉर्म उसे टूर्नामेंट में आगे तक ले जाने में सहायता करेगा।पिछले एक साल में टीम ने सीमित ओवरों के प्रारुप में निरंतर अच्छा प्रदर्शन किया है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

14 साल बाद बांग्लादेश से पाकिस्तान सीधी फ्लाइट बहाल, ढाका-कराची हवाई कनेक्टिविटी फिर शुरू

लाहौर/कराची , एजेंसी । बांग्लादेश की राजधानी ढाका से पाकिस्तान के कराची के जिन्ना इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर 14 साल बाद पहली सीधी फ्लाइट पहुंची, जिससे दोनों देशों के बीच हवाई कनेक्टिविटी फिर से बहाल हो गई। पाकिस्तान एयरपोर्ट अथॉरिटी के अनुसार, बिमान बांग्लादेश एयरलाइन की फ्लाइट क्र-341 गुरुवार शाम ढाका से कराची पहुंची। एयरपोर्ट पर इस फ्लाइट का स्वागत पारंपरिक वॉटर साल्यूट के साथ किया गया। बयान में कहा यह ढाका से कराची आने वाली पहली फ्लाइट है जो 14 साल बाद जिन्ना इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर लैंड हुई। इस अवसर को पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच बढ़ते दोस्ताना संबंधों का प्रतीक बताया गया। एयरलाइन द्वारा जारी बयान के अनुसार, फ्लाइट अब सप्ताह में दो बार गुरुवार और शनिवार को चलेगी। ढाका से उड़ान रात 8 बजे रवाना होगी और कराची में रात 11 बजे पहुंचेगी। वापस में फ्लाइट कराची से मध्यरात्रि 12 बजे रवाना होकर ढाका में सुबह 4:20 बजे पहुंचेगी। बांग्लादेश और पाकिस्तान की सरकारें पिछले साल से ढाका और कराची के बीच सीधी फ्लाइट्स बहाल करने पर चर्चा कर रही थीं। इसका उद्देश्य दोनों देशों के व्यापार और अन्य संबंधों को मजबूत करना है। यह कदम 1971 में बांग्लादेश की पाकिस्तान से स्वतंत्रता के बाद एक महत्वपूर्ण ऐतिहासिक घटना भी है। अगस्त 2025 में पाकिस्तानी उपप्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक दार की ढाका यात्रा के दौरान इस फ्लाइट बहाली की योजना पहली बार सार्वजनिक रूप से घोषित की गई थी। पाकिस्तान सिविल एविएशन अथॉरिटी ने बिमान बांग्लादेश एयरलाइन को इस मार्ग पर उड़ान संचालन और पाकिस्तानी हवाई क्षेत्र के निर्धारित एयर कॉरिडोर का उपयोग करने की अनुमति दे दी है।

वेनेजुएला में ऐतिहासिक बदलाव, दो दशक बाद बड़ा फैसला ; तेल उद्योग को निजीकरण-विदेशी निवेश के लिए खोला

काराकास , एजेंसी । दुनिया के सबसे बड़े तेल भंडार वाले देश वेनेजुएला ने तेल उद्योग में सुधार के लिए ऐतिहासिक विधेयक पर हस्ताक्षर किए हैं। 3 जनवरी को सैन्य कार्रवाई के बाद वेनेजुएला के पूर्व राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को गिरफ्त किया था। जिसके बाद वो अमेरिका की कैद में हैं। इधर, देश की कमान संभाल रही कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज देश के अंदर तेल उद्योग में बड़ा कदम उठाया है। वेनेजुएला सरकार ने गुरुवार (29 जनवरी) को देश के तेल क्षेत्र को निजीकरण के लिए खोलने की मंजूरी दे दी। यह कदम मादुरो की गिरफ्तारी के एक महीने से भी कम समय में उठाया गया है। जो कि देश के अंदर दो दशकों के बाद सबसे बड़ा बदलाव है। ऐसा इसलिए क्योंकि राजनीतिक अस्थिरता और निवेश की कमी के चलते तेल उत्पादन पूरी तरह से गिर चुका था। गुरुवार को नेशनल असेंबली ने ऊर्जा उद्योग कानून में संशोधन को मंजूरी दी गई। कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज ने तेल कर्मचारियों और सरकार के समर्थकों के एक बड़े समूह के सामने इस सुधार को कानून के रूप में हस्ताक्षरित कर दिया। इधर, जैसे ही विधेयक पारित हो रहा था, वित्त विभाग ने आधिकारिक तौर पर वेनेजुएला के तेल पर लगे प्रतिबंधों में ढील देना शुरू कर दिया।

एक देश के हुक्म चलाने से दुनिया नहीं चलती : यूएन चीफ एंटोनियो गुटेरेस

वाशिंगटन, एजेंसी । संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने गुरुवार को अमेरिका और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर सीधा निशाना साधा है। गुटेरेस ने साफ-साफ कहा है कि किसी एक देश के हुक्म चलाने से दुनिया नहीं चलती और इससे किसी भी समस्या का निपटारा नहीं की जा सकता। गुटेरेस ने इस दौरान चीन को भी लपेटे में लिया। वहीं ह चीफ ने बहुध्रुवीयता की जरूरत पर जोर देते हुए हालिया भारत-ईयू ट्रेड डील का भी जिक्र किया। गुटेरेस अपने कार्यकाल के 10वें और आखिरी साल की शुरुआत के मौके पर पत्रकारों से बात कर रहे थे। बता दें कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद इस साल के अंत में उनके उत्तराधिकारी का चुनाव करेगी। अपने कार्यकाल में कई युद्धों की शुरूआत देखने वाले गुटेरेस बदलते वैश्विक परिदृश्य को लेकर चिंता जता रहे थे। इस दौरान गुटेरेस ने कहा, 'वैश्विक समस्याएं किसी एक शक्ति के हुक्म चलाने से हल नहीं होंगी। और दो शक्तियों द्वारा दुनिया को 2 भाग में बांट देने से कुछ होगा।' उन्होंने अमेरिका और चीन का नाम भी लिया। गुटेरेस ने आगे कहा, 'यह विचार है कि दो पोल्स हैं, एक अमेरिका में केंद्रित है और दूसरा चीन में केंद्रित है... लेकिन अगर हम एक स्थिर दुनिया चाहते हैं, अगर हम एक ऐसी दुनिया चाहते हैं जिसमें शांति बनी रहे, जिसका विकास हो सके और समानता आए, तो हमें बहुध्रुवीयता का समर्थन करने की आवश्यकता है। मैं बहुत सारी पॉजिटिव उम्मीदों के साथ हाल के ट्रेड एग्रीमेंट देख रहा हूं। जैसे भारत और श्व के बीच हाल ही में हुआ समझौता।' बता दें कि हाल के दिनों में कई देशों ने अमेरिकी प्रभुत्व के खिलाफ बयान दिए हैं। वहीं गुटेरेस की ये टिप्पणी हाल ही में ट्रंप द्वारा बोर्ड ऑफ पीस के गठन के एक हफ्ते बाद आई हैं। ट्रंप ने इसे संयुक्त राष्ट्र का विकल्प तक बता दिया है।

ट्रंप ने कहा- क्यूबा अमेरिका के लिए गंभीर खतरा, नया टैरिफ सिस्टम लागू करने का आदेश दिया

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का कहना है कि क्यूबा से अमेरिका को एक असामान्य और गंभीर खतरा है। उन्होंने क्यूबा सरकार से पैदा हुए खतरे को लेकर देश में राष्ट्रीय आपातकाल घोषित किया है। इसी वजह से उन्होंने एक नई शुल्क (टैरिफ) व्यवस्था लागू करने का आदेश दिया है। इस व्यवस्था के तहत उन देशों पर अतिरिक्त शुल्क लगाया जा सकता है, जो क्यूबा को तेल की आपूर्ति करते हैं। व्हाइट हाउस में साइन किए गए कार्यकारी आदेश में ट्रंप ने कहा कि क्यूबा सरकार की नीतियां और उसके कामकाज अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश नीति के लिए खतरा हैं। इसलिए मौजूदा कानूनों के तहत आपात कदम उठाना जरूरी हो गया है। ट्रंप ने कहा कि राष्ट्रपति होने के नाते देश की सुरक्षा और विदेश नीति की रक्षा करना उनका कर्तव्य है। उन्होंने यह भी कहा कि क्यूबा से जुड़ी स्थिति अमेरिका के लिए एक असामान्य और बड़ा खतरा है, जिसका स्रोत काफी हद तक अमेरिका के बाहर है।

आदेश में आरोप लगाया गया है कि क्यूबा कई ऐसे देशों और संगठनों का समर्थन करता है, जो अमेरिका के खिलाफ हैं। इसमें रूस, चीन, ईरान के साथ-साथ हमास और हिज्बुल्लाह जैसे संगठनों का नाम लिया गया है। ट्रंप ने कहा कि क्यूबा 'खुलेआम संयुक्त राज्य अमेरिका के खतरनाक दुश्मनों को पनाह देता है और उन्हें अपने इलाके में 'अत्याधुनिक सैन्य और खुफिया क्षमताएं' स्थापित करने के लिए आमंत्रित करता है जो सीधे संयुक्त राज्य अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरा पहुंचाती हैं। ट्रंप ने यह भी दावा किया कि क्यूबा में रूस का सबसे बड़ा विदेशी खुफिया केंद्र काम कर रहा है और चीन के साथ भी क्यूबा की सैन्य और रक्षा संबंधों में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। एग्जीक्यूटिव ऑर्डर में आगे आरोप लगाया गया है कि क्यूबा हमास और हिज्बुल्लाह जैसे अंतरराष्ट्रीय आतंकी संगठनों को पनाह देता है। इससे इन संगठनों को क्षेत्र में अपने आर्थिक, सांस्कृतिक और सुरक्षा नेटवर्क मजबूत करने का मौका मिलता है, जो अमेरिका और पूरे पश्चिमी गोलार्ध की स्थिरता को नुकसान पहुंचा सकता है। ट्रंप ने यह भी आरोप लगाया कि क्यूबा लंबे समय से अमेरिका और अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों को कमजोर करने के लिए अन्य दुश्मन देशों को सैन्य और सुरक्षा मदद देता रहा है। ट्रंप ने क्यूबा की कम्युनिस्ट सरकार पर आतंकवाद को बढ़ावा देने, अवैध प्रवासन और हिंसा के जरिए क्षेत्र को अस्थिर करने के आरोप भी लगाए। उन्होंने कहा कि क्यूबा सरकार अपने ही नागरिकों पर अत्याचार करती है। आदेश में कहा गया है, 'कम्युनिस्ट सरकार अपने राजनीतिक विरोधियों को सताती और यातना देती है; क्यूबा के लोगों को बोलने और प्रेस की स्वतंत्रता से वंचित करती है; उनके दुख से भ्रष्ट तरीके से मुनाफा कमाती है और मानवाधिकारों का अन्य उल्लंघन करती है।' इसमें राजनीतिक कैदियों के परिवारों के खिलाफ बदले की कार्रवाई, धार्मिक लोगों को परेशान करना, नागरिक समाज पर प्रतिबंध, स्वतंत्र प्रेस पर रोक और ऑनलाइन सहित अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर सीमाएं भी शामिल हैं। ट्रंप ने कहा, 'संयुक्त राज्य अमेरिका कम्युनिस्ट क्यूबा सरकार की ज्यादतियों को बिल्कुल बर्दाश्त नहीं करेगा।' उन्होंने अमेरिकी विदेश नीति, राष्ट्रीय सुरक्षा और राष्ट्रीय हितों की रक्षा करने का वादा किया, साथ ही 'क्यूबा के लोगों की एक स्वतंत्र और लोकतांत्रिक समाज की आकांक्षाओं का समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध रहने' की बात कही। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका क्यूबा की कम्युनिस्ट सरकार के ऐसे किसी भी व्यवहार को बर्दाश्त नहीं करेगा। इस राष्ट्रीय आपातकाल से निपटने के लिए ट्रंप ने आदेश दिया है कि एक नई शुल्क व्यवस्था बनाई जाए। इसके तहत अगर कोई विदेशी देश सीधे या परोक्ष रूप से क्यूबा को तेल बेचता या उपलब्ध कराता है, तो उसके सामान पर अमेरिका में अतिरिक्त आयात शुल्क लगाया जा सकता है। आदेश के मुताबिक, वाणिज्य मंत्री विदेश मंत्री से सलाह लेकर यह तय करेंगे कि कौन सा देश क्यूबा को तेल की आपूर्ति कर रहा है, चाहे वह किसी तीसरे देश या बिचौलिए के माध्यम से ही क्यों न हो। इसके बाद विदेश मंत्री, वित्त, ट्रेजरी, वाणिज्य, होमलैंड सिक्योरिटी और अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि के साथ मिलकर यह तय करेंगे कि अतिरिक्त ड्यूटी लगाई जानी चाहिए या नहीं और किस हद तक लगाई जानी चाहिए।

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के आंख का हुआ ऑपरेशन, अस्पताल से जेल में हुए शिफ्ट

इस्लामाबाद , एजेंसी। भ्रष्टाचार के आरोप में जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री और पाकिस्तान तहरीक-ए-इन्साफ पार्टी के संस्थापक इमरान खान को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उन्हें पिछले कई दिनों से आंख की समस्या से परेशान थे। जिसके बाद एक छोटे सा ऑपरेशन किया गया। फिलहाल वह ठीक हैं और उनकी सेहत में लगातार सुधार हो रहा है। इस बात की जानकारी पाकिस्तान के सूचना मंत्री अत्ताउल्लाह तरार ने गुरुवार को दी।

अस्पताल से जेल में शिफ्ट हुए इमरान खान : तरार ने बताया कि खान की आंखों की प्रारंभिक जांच आदियाला जेल में की गई थी, जिसके बाद विशेषज्ञों ने सलाह दी कि उन्हें आगे की जांच और इलाज के लिए इस्लामाबाद के पाकिस्तान इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (क्कढ्ढरूस्) ले जाया जाए। शनिवार रात डॉक्टरों की सलाह पर खान को अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां अस्पताल में खान की आंखों की फिर से जांच की गई और उनकी लिखित सहमति से लगभग 20 मिनट की एक छोटी चिकित्सा प्रक्रिया की गई। इसके बाद खान को आवश्यक चिकित्सकीय निर्देशों के साथ आदियाला जेल वापस भेज दिया गया।

मंत्री ने सोशल मीडिया के अफवाहों को किया खारिज : पूर्व प्रधानमंत्री के हालात की जानकारी देते हुए मंत्री तरार ने बताया कि ऑपरेशन के दौरान इमरान खान के स्थिर रहे और उनकी कुल स्वास्थ्य स्थिति संतोषजनक थी। उन्होंने सोशल मीडिया पर फैल रही अफवाहों को खारिज करते हुए कहा कि खान की स्थिति गंभीर नहीं है।

इमरान खान की पार्टी ने कोर्ट से लगाई गुहार : इस बीच, अध्यक्ष गोहर खान ने खान के स्वास्थ्य के बारे में पार्टी और परिवार को जानकारी नहीं दिए जाने पर गंभीर चिंता व्यक्त की और तुरंत उनसे मिलने की अनुमति मांगी। खान की कानूनी टीम ने भी एंटी-टेररिज्म कोर्ट में याचिका दायर की है, जिसमें उनके निजी डॉक्टरों और विशेषज्ञों को जेल में उनसे मिलने की अनुमति देने की मांग की गई है।

मेडिकल रिपोर्ट सार्वजनिक करने की मांग मीडिया रिपोर्ट्स का हवाला देते हुए कहा था कि खान को उनकी दाईं आंख में सेंट्रल रेटिनल वेन ऑक्लूज़न का निदान किया गया है, जो उपचार न मिलने पर अंधेपन का कारण बन सकता है। हालांकि, खान की बहन नोरीन खान ने इन रिपोर्टों को खारिज करते हुए कहा कि उन्हें कोई आंख संबंधी समस्या नहीं है और उनकी सेहत अच्छी है। उन्होंने परिवार और वकीलों को मिलने की अनुमति न देने पर सवाल उठाया और पूरी मेडिकल रिपोर्ट सार्वजनिक करने की मांग की।

यूक्रेन युद्ध में बड़ा कदम, रूस ने जेलेंस्की को शांति वार्ता के लिए मॉस्को आने का दिया न्योता

मॉस्को, एजेंसी। रूस ने अमेरिका की मध्यस्थता में यूक्रेन युद्ध समाप्त करने के प्रयास के बीच यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की को शांति वार्ता के लिए मॉस्को आने का निमंत्रण दिया है। क्रेमलिन ने एक बयान में इसकी जानकारी दी। दोनों देशों के बीच यह संघर्ष लगभग चार वर्षों से जारी है। क्रेमलिन की ओर से यह भी बताया गया कि रूस और यूक्रेन ने युद्ध में मारे गए सैनिकों की अदला-बदली का एक और चरण पूरा किया है। हालांकि, दोनों देशों के बीच ऊर्जा ढांचे पर हमले रोकने को लेकर किसी सहमति की अटकलों पर रूस ने टिप्पणी करने से इन्कार किया।

बातचीत को गति मिलने के संकेत : पिछले सप्ताहांत अबूधाबी में अमेरिका की मध्यस्थता में हुई बातचीत से शांति प्रयासों को कुछ गति मिली है, लेकिन दोनों पक्षों के बीच मतभेद अब भी बने हुए हैं। मोर्चे पर लड़ाई जारी है और हालिया मिसाइल हमलों से यूक्रेन को बिजली संकट का सामना करना पड़ रहा है। एक अमेरिकी अधिकारी के अनुसार, जेलेंस्की और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच बैठक की संभावना बढ़ी है। रविवार को अबूधाबी में दोनों देशों के वार्ताकारों की अगली बैठक प्रस्तावित है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी कहा है कि शांति प्रक्रिया में सकारात्मक प्रगति हो रही है। हालांकि, क्षेत्रीय नियंत्रण और युद्ध के बाद की व्यवस्था जैसे मुद्दों पर सहमति अभी दूर है।

अस्थायी संघर्ष विराम की बढ़ी उम्मीद : अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार को दावा किया कि उन्होंने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से एक हफ्ते के लिए यूक्रेन की राजधानी कीव पर हमले ने करने को कहा है क्योंकि यूक्रेन में इन दिनों कड़ाके की ठंड पड़ रही है। रूसी हमले के चलते यूक्रेन के कई शहरों के अहम ढांचे को भारी नुकसान हुआ है और देशभर में लोग बिना बिजली और गर्मी के रहने को मजबूर हैं। ट्रंप ने दावा किया है कि पुतिन इसके लिए तैयार हो गए हैं। हालांकि अभी तक रूस की तरफ से इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

अमेरिका की अपने नागरिकों को पाकिस्तान नहीं जाने की सलाह, कहा-कहीं भी हो सकता है आतंकी हमला

इस्लामाबाद, एजेंसी। अमेरिकी विदेश विभाग ने अपने नागरिकों से पाकिस्तान की यात्रा पर पुनर्विचार करने की अपील की है। इसके पीछे विभाग ने सुरक्षा, अपराध, अशांति, आतंकवाद व अपहरण के खतरे को प्रमुख वजह बताया है। 26 जनवरी को जारी एक अपडेटेड ट्रैवल एडवाइजरी के अनुसार, पाकिस्तान को लेवल-3 (यात्रा पर फिर से विचार करें) श्रेणी में रखा गया है जो यात्रियों के लिए जोखिम का संकेत देता है। एडवाइजरी में कहा गया है कि पाकिस्तान में कहीं भी कभी भी आतंकी हमला हो सकता है। अंग्रेजी दैनिक डॉन की रिपोर्ट के अनुसार, परामर्श में चेतावनी दी गई है कि ट्रांसपोर्ट हब, होटल, बाजार, शॉपिंग मॉल, सैन्य और सुरक्षा ठिकाने, हवाईअड्डे, ट्रेन, स्कूल,

अस्पताल, पूजा स्थल, पर्यटन स्थलें और सरकारी इमारतें भी सुरक्षित नहीं हैं। खैबर पख्तूनख्वा के कुछ हिस्सों को सबसे खतरनाक श्रेणी लेवल 4 में डाला गया है और यहां अमेरिकी नागरिकों से किसी भी कारण से यात्रा न करने को कहा गया है। इसमें चेतावनी दी गई है कि प्रांत में सरकारी अधिकारियों और नागरिकों के खिलाफ हत्या और अपहरण के प्रयास आम हैं। भारत से मुंह की खाकर बदलाव के लिए मजबूर हो गई पाकिस्तानी सेना ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत से मुंह की खाने वाली पाकिस्तानी सेना बदलाव के दौर से गुजर रही है। इसकी पुष्टि रक्षा बलों के प्रमुख (सीडीएफ) फील्ड मार्शल आसिम मुनीर ने खुद की। मुनीर ने भविष्य के युद्धक्षेत्र और सुरक्षा चुनौतियों की जरूरतों को पूरा करने के लिए रणनीतिक बदलावों पर जोर दिया। पाकिस्तानी सीडीएफ ने दोहराया कि वे देश की क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा के लिए हर तरह के खतरों से निपटने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। मुनीर ने बहावलपुर छावनी के दौरे में ये टिप्पणियां कीं। उन्हें कोर के विभिन्न परिचालन, प्रशिक्षण के बारे में जानकारी दी गई, जिसमें बहु-आयामी युद्ध की तैयारियों पर विशेष ध्यान दिया गया। सैनिकों को संबोधित करते हुए मुनीर ने उनके उच्च मनोबल, पेशेवर दक्षता की सराहना की। मुनीर ने कहा, सशस्त्र बल पाकिस्तान की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा के लिए पूरी तरह से तैयार हैं।

दक्षिण अफ्रीका में भीषण सड़क हादसा: मिनीबस टैक्सी और ट्रक की टक्कर में 11 लोगों की मौत, स्कूली बच्चा भी शामिल

जोहानिसबर्ग, एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका में गुरुवार को एक मिनीबस टैक्सी और ट्रक की आमने-सामने की टक्कर में कम से कम 11 लोगों की मौत हो गई। स्थानीय सरकारी अधिकारियों और आपातकालीन सेवाओं ने हादसे की पुष्टि की है। यह दुर्घटना उस घटना के एक हफ्ते के बाद हुई है, जिसमें इसी तरह के सड़क हादसे में 14 स्कूली बच्चों की जान चली गई थी।

कहां और कैसे हुआ हादसा : गुरुवार का यह हादसा पूर्वी क्वाजुलु-नटाल प्रांत में डरबन शहर के पास हुआ। प्रांतीय परिवहन विभाग के अधिकारी सिबोनिसो डूमा ने बताया कि प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, एक स्कूली बच्चे सहित 11 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। डूमा के अनुसार, प्रत्यक्षदर्शियों ने आरोप लगाया है कि ट्रक चालक ने अचानक यू-टर्न लिया, जिसके कारण मिनीबस टैक्सी से उसकी आमने-सामने की टक्कर हो गई।

घायलों की हालत : प्राइवेट एंबुलेंस सेवा एएलएस पैरामेडिक्स के प्रवक्ता गैरिथ जैमिसन ने कहा कि हादसे में 11 लोगों की मौत हुई है और कई अन्य गंभीर रूप से घायल हैं। उन्होंने बताया कि मिनीबस टैक्सी का चालक मलबे में फंसा हुआ था और उसकी हालत बेहद नाजुक बनी हुई है। यह दुर्घटना कुछ दिन पहले हुए एक और घातक हादसे के बाद हुई है, जिसमें स्कूली बच्चों को ले जा रही मिनीबस टैक्सी और एक ट्रक के बीच आमने-सामने की टक्कर में 14 बच्चों की मौत हो गई थी। 19 जनवरी को जोहान्सबर्ग के पास हुई उस दुर्घटना के बाद मिनीबस टैक्सी के चालक को गिरफ्तार किया गया था। अधिकारियों के अनुसार, चालक पर 14 हत्या के आरोप लगाए गए, क्योंकि वह वाहनों की कतार को ओवरटेक करते हुए तेज और लापरवाही से गाड़ी चला रहा था, जिसके बाद उसकी ट्रक से टक्कर हो गई।

अमेरिका में जन्मे बच्चों को 92 हजार रुपए देगी सरकार

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिका में जन्म लेने वाले बच्चों को सरकार की ओर से 1,000 डॉलर (92 हजार रुपए) दिए जाएंगे। यह रकम बच्चों के नाम से खोले जाने वाले एक स्पेशल अकाउंट में जमा की जाएगी। यह योजना पिछले साल राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने शुरू की थी। अब इसे अमेरिका की बड़ी-बड़ी कंपनियों का समर्थन मिलने लगा है। इस योजना को 'ट्रम्प अकाउंट' कहा जाता है। व्हाइट हाउस के मुताबिक, यह एक टैक्स-फ्री सेविंग अकाउंट होगा, जिसमें सरकार बच्चों के भविष्य के लिए शुरुआती निवेश करेगी। इस खाते में जमा रकम शेयर बाजार में निवेश की जाएगी ताकि समय के साथ यह बढ़ सके। इस योजना का लाभ उन बच्चों को मिलेगा जो 1 जनवरी 2025 से 31 दिसंबर 2028 के बीच अमेरिका में पैदा होंगे। इसका मकसद बच्चों को जन्म से ही वित्तीय शुरुआत देना और लंबे समय तक निवेश के जरिए धन बढ़ाना है। ताकि वे 18 साल की उम्र में पढ़ाई, बिजनेस शुरू करने, घर खरीदने या अन्य जरूरतों के लिए फंड का इस्तेमाल कर सकें। अब कई बड़ी कंपनियां भी इस योजना में आगे आ रही हैं। बैंक ऑफ अमेरिका और जेपी मॉर्गन चेस ने घोषणा की है कि वे अपने कर्मचारियों के बच्चों के ट्रम्प अकाउंट में सरकार की तरह 1,000 डॉलर की बराबर राशि जमा करेंगे। ट्रम्प बोले- हमारी सरकार हर बच्चे को आर्थिक आजादी दे रही है ट्रम्प ने कहा, 'हर राष्ट्रपति ने हमारी अगली पीढ़ी को सिर्फ कर्ज दिया है, लेकिन हमारी

सरकार हर बच्चे को असली संपत्ति और आर्थिक आजादी का मौका देगी।' उन्होंने नियोक्ताओं से अपील की कि वे अपने कर्मचारियों के लिए ट्रम्प अकाउंट में योगदान दें। 92 हजार केवल ट्रम्प प्रशासन के दौरान जन्मे बच्चों को मिलेगा। बच्चे के माता-पिता की इमिग्रेशन स्थिति कोई मायने नहीं रखती, कोई भी पैरेंट अकाउंट खोल सकता है। बड़े बच्चों के लिए अकाउंट खोला जा सकता है, लेकिन उन्हें राशि नहीं मिलेगा। समर्थक बोले- इससे गरीब बच्चों को भी अमेरिका की संपत्ति का हिस्सा मिलेगा समर्थकों का कहना है कि इससे ज्यादा लोग स्टॉक मार्केट से जुड़ेंगे और गरीबी में जन्मे बच्चों को भी अमेरिका की संपत्ति का हिस्सा मिलेगा। यह पूंजीवाद को बढ़ावा देगा, खासकर जब समाजवादी विचार बढ़ रहे हैं। निवेशक ब्रैड गर्स्टनर ने कहा, 'सोशलिज्म का जवाब पूंजीवाद है, इससे हर बच्चा जन्म से ही कैपिटलिस्ट बन जाता है।' 2022 में केवल 58% अमेरिकी घरों के पास स्टॉक या बॉन्ड थे और सबसे अमीर 1% के पास आधे से ज्यादा मूल्य था। इससे पहले कैलिफोर्निया, कनेक्टिकट और वॉशिंगटन डीसी जैसे जगहों पर 'बेबी बॉन्ड्स' जैसे कार्यक्रम चल रहे थे, लेकिन वे सिर्फ गरीब या फोस्टर केयर बच्चों के लिए थे।

डेनमार्क की पीएम ने ट्रम्प को झुकने को मजबूर किया, देशभर में बढ़ी फ्रेडरिक्स की लोकप्रियता, अब सर्वे में पार्टी को 9 सीटों का फायदा

कोपनहेगन, एजेंसी। ग्रीनलैंड पर कब्जे को लेकर अमेरिका और डेनमार्क के बीच विवाद का फायदा डेनिश पीएम मेट फ्रेडरिक्सन को मिला है। अमेरिकी वेबसाइट द पोलिटिको ने लिखा है कि फ्रेडरिक्सन को राष्ट्रपति ट्रम्प को शुक्रिया कहना चाहिए क्योंकि उन्होंने उन्हें गहराते राजनीतिक संकट से बाहर निकाल लिया है। फ्रेडरिकसन की पार्टी के पॉपुलैरिटी में काफी उछाल आया है। सर्वे में सोशल डेमोक्रेट्स को सिर्फ 32 सीटें मिलती दिख रही थीं। यानी एक ही महीने में पार्टी की स्थिति में करीब 9 सीटों का उछाल आया है।

पिछले साल नवंबर 2025 में सोशल डेमोक्रेट पार्टी लोकल चुनाव हार गई थी। सबसे बड़ा झटका कोपेनहेगन में लगा, जहां पार्टी ने 100 साल में पहली बार सत्ता गंवा दी। स्थिति तब बदलनी शुरू हुई, जब ट्रम्प ने ग्रीनलैंड को डेनमार्क से छीनकर अपने में मिलाने की धमकी दी। इसके जवाब में डेनमार्क की प्रधानमंत्री फ्रेडरिक्सन ने खुलकर देश की संप्रभुता का बचाव किया।

गठबंधन की सरकार चला रहीं फ्रेडरिक्सन : डेनमार्क में संसद में कुल 179 सीटें हैं, इनमें से प्रधानमंत्री फ्रेडरिक्सन की सोशल डेमोक्रेट्स के पास 50 सीटें हैं। सेंटर-लेफ्ट सोशल डेमोक्रेट पार्टी इस समय देश में गठबंधन सरकार चला रही है। इस गठबंधन में दो सेंटर-राइट पार्टियां मॉडरेटर्स और वेनस्टर भी शामिल हैं। मेगाफॉन नाम की एक डेनिश कंसल्टेंसी के सर्वे में सोशल डेमोक्रेट पार्टी को 22.7% वोट और संसद की 41 सीटें मिलीं। यह सर्वे 20 से 22 जनवरी के बीच किया गया। दिसंबर में हुए सर्वे में फ्रेडरिकसन की पार्टी को सिर्फ 32 सीटें मिलती दिखाई गई थीं। ताजा सर्वे दिखाते हैं कि 41 सीटों के साथ भी वे संसद की

सबसे बड़ी पार्टी बनी रहेंगी। इससे वे फिर से गठबंधन सरकार बनाने की बातचीत में सबसे मजबूत स्थिति में आ जाएंगी, हालांकि सत्ता में बने रहने के लिए उन्हें सहयोगी दलों पर निर्भर रहना पड़ेगा।

100 साल में पहली बार राजधानी में हारी पार्टी : समर्थन में आई यह बढ़त इसलिए और भी खास मानी जा रही है, क्योंकि नवंबर में हुए नगर निगम चुनावों में सोशल डेमोक्रेट्स को करारी हार मिली थी। इस चुनाव में पार्टी ने कोपेनहेगन गंवा दिया था, जो बेहद अहम सीट थी और जिसे पार्टी ने पिछले 100 सालों में कभी नहीं खोया था। डेनमार्क के विदेश मंत्री लार्स लोक्के रासमुसेन के नेतृत्व वाली मॉडरेट्स पार्टी ने इस सर्वे में अपना वोट शेयर लगभग तीन गुना कर लिया। पार्टी का वोट 2.2% से बढ़कर 6.4% हो गया। यह करीब 12 सीटों के बराबर है। वहीं एक और एजेंसी वॉक्समीटर के सोमवार को जारी सर्वे में फ्रेडरिकसन की कैबिनेट को 40.9% समर्थन मिला, जो दो साल में सबसे ऊंचा स्तर है। अगर आज चुनाव होते हैं तो गठबंधन के 73 सीटें जीतने का अनुमान लगाया गया है।

ट्रम्प ने ग्रीनलैंड पर कब्जे की धमकी दी, बाद में पलटे : जनवरी की शुरुआत में ट्रम्प ने कहा था कि वे किसी भी तरीके से ग्रीनलैंड पर कब्जा कर लेंगे। ग्रीनलैंड डेनमार्क का एक स्वायत्त इलाका है। ट्रम्प इस पर कब्जा करने की धमकी पहले भी दी जाती रही थी, लेकिन वेनेजुएला के नेता निकोलस मादुरो को पकड़ने के बाद यह और गंभीर लगने लगी। 2019 से सत्ता में रहीं फ्रेडरिकसन ने ग्रीनलैंड के लिए जोरदार तरीके से कूटनीतिक बचाव किया और इस मामले पर पूरे यूरोपीय देशों को एकजुट किया। ट्रम्प को कहना पड़ा कि वे ग्रीनलैंड पर जबरदस्ती कब्जा नहीं करेंगे। इसका फायदा यह हुआ कि डेनमार्क के लोग क्करू के साथ खड़े हो गए हैं। यूरोप से जुड़े पॉलिटिकल मामलों की एक्सपर्ट ऐन रासमुसेन ने पोलिटिको से कहा- आखिरी बार डेनमार्क में सरकार के साथ इतनी एकजुटता कोविड महामारी के दौरान देखने को मिली थी। राष्ट्रीय संकट अक्सर ऐसा होता है। लोग सत्ता में बैठी सरकार के समर्थक बन जाते हैं।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

माउंट आबू में लगे भूकंप के झटके, लोग घरों से आए बाहर, नुकसान की सूचना नहीं

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान के पर्यटन स्थल माउंट आबू में शुक्रवार को करीब साढ़े सात बजे भूकंप के झटके महसूस किए गए। इससे जानमाल के नुकसान कोई सूचना नहीं हैं। लोग अपने कामकाज में व्यस्त थे कि अचानक बादलों की गडगड़ाहट जैसी पहाड़ों के चटकने की आवाज के साथ आए भूकंप के झटके महसूस किए गए। करीब पांच से सात सेकण्ड के आए भूकंप में डरकर लोग घरों से बाहर निकल आए। मीडिया रिपोर्ट के मुताबक एक स्थानीय व्यक्ति ने बताया कि वह कुर्सी पर बैठा था कि अचानक बादलों की जोरदार गर्जना जैसी आवाज आने लगी। हालांकि आस पास की चीजें हिलते हुए दृष्टिगोचर नहीं हुईं। भूकंप की तरह महसूस होने पर आस पास के लोग भी घरों से बाहर आ गए। वहीं एक अन्य ने बताया कि वह खाना खाने बैठे ही थे कि अचानक गडगड़ाहट की आवाज आई। जिस पर वे घर के बाहर निकल आए। ओरिया, अचलगढ़, सालगांव, जवाई, गुरुशिखर, आरणा, उत्तरज, शेरगांव आदि ग्रामीण क्षेत्रों से भी भूकंप आने के समाचार मिले हैं। कहीं से कोई जानमाल के नुकसान के सूचना नहीं है।

कफ सिरप रैकेट के सरगना भोला जायसवाल की 6 करोड़ की संपत्ति कुर्क, वाराणसी में बड़ी कार्रवाई

वाराणसी (एजेंसी)। नशीले कफ सिरप तस्करी के संगठित अपराध पर सोनभद्र पुलिस ने बड़ी कार्रवाई कर रैकेट के सरगना भोला प्रसाद जायसवाल की करीब 6 करोड़ रुपये की अवैध संपत्ति कुर्क कर ली है। यह कार्रवाई न्यायालय के आदेश पर एनडीपीएस एक्ट के तहत की गई। शनिवार को एसआईटी निरीक्षक प्रणय प्रसून श्रीवास्तव के नेतृत्व में सोनभद्र पुलिस की टीम वाराणसी पहुंची और विभिन्न स्थानों पर स्थित संपत्तियों पर नोटिस चस्पा कर उन्हें अपने कब्जे में ले लिया। पुलिस के अनुसार, जायसवाल नशीले कफ सिरप के मास्टरमाइंड शुभम जायसवाल का पिता है और लंबे समय से अवैध कारोबार में संलिप्त रहा है। इसके पहले भी सोनभद्र पुलिस द्वारा भोला जायसवाल की 28.50 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त की जा चुकी है। लगातार हो रही कार्रवाई से आरोपी और उसके नेटवर्क पर शिकंजा कंसता दिख रहा है। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र ने बताया कि शनिवार को की गई कार्रवाई में आरोपी एवं उसके परिजनों की कुल सात अंचल संपत्तियां, चार वाहन और बैंक खातों में जमा धनराशि को कुर्क किया है। इन सात अचल संपत्तियों की कुल कीमत करीब 4 करोड़ 55 लाख 2 हजार 762 रुपये आंकी गई है। वहीं चार वाहनों की कीमत करीब 51 लाख 16 हजार रुपये है। इसके अतिरिक्त बैंक खातों में जमा 70 लाख 99 हजार 228 रुपये की धनराशि को भी सीज किया गया है। ये सभी संपत्तियां वाराणसी के मड़ौली और भरलाई (तहसील सदर) तथा जगदीशपुर (तहसील पिंडरा) क्षेत्र में स्थित हैं। पुलिस ने इन संपत्तियों पर नोटिस चस्पा कर विधिक प्रक्रिया के तहत कुर्की की कार्रवाई पूरी की। इस प्रकार 31 जनवरी 2026 को की गई इस कार्रवाई में कुल 5 करोड़ 77 लाख 17 हजार 990 रुपये की संपत्ति कुर्क की गई है।

यूपी में भीषण कोहरा, मेरठ में 11 गाड़ियां टकराईं, 3 दिन बारिश से और बिगड़ेगा मौसम

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी में बारिश और ओले गिरने के बाद ठंड फिर लौट आई है। सुबह से बारिश जैसा कोहरा गिर रहा। लखनऊ, कानपुर, आगरा सहित 30 जिले घने कोहरे की चपेट में हैं। कई जिलों में विजिबिलिटी 10 मीटर तक रह गई है। इस वजह से 2 सड़क हादसे में 11 गाड़ियां टकरा गईं। 15 लोग घायल हैं। जसवंतनगर इलाके में आगरा हाईवे पर चारधाम और बरसाना दर्शन से लौट रहे श्रद्धालुओं से भरी डबल डेकर बस बेकाबू होकर पलट गई। बस में 45 लोग सवार थे। मलाजनी गांव के पास हुए हादसे में 10 श्रद्धालु घायल हो गए। वहीं दिल्ली-देहरादून हाईवे पर सुबह 6 बजे नंगली गेट के पास 11 गाड़ियां टकराईं। कोहरे की वजह से 4 पिकअप, 5 कार और 2 ट्रक आपस में टकरा गए। हादसे में चार लोग घायल हैं। हाईवे पर लंबा जाम लग गया। कड़ी मशक्कत के बाद जाम खुलवाया गया। पहाड़ों से आ रही बर्फीली हवाओं से तापमान में 3 से 5 डिग्री की गिरावट दर्ज की गई। सुबह-शाम गलन बढ़ गई है। सड़कों पर सन्नाटा है। गाड़ियों से निकले लोगों के हाथ सुन्न हो जा रहे हैं। लोग गर्म कपड़े पहनकर और अलाव जलाकर ठंड से बचते दिखाई दिए। कोहरे के चलते सड़क, रेल और हवाई यातायात फिर बुरी तरह प्रभावित हुए। लखनऊ, कानपुर सहित तमाम रेलवे स्टेशनों पर 60 से ज्यादा ट्रेनें घंटों लेट हैं। लखनऊ एयरपोर्ट पर चार उड़ानें लेट रहीं। कल 3 फ्लाट्स कैंसिल हुई थी। ठंड की वजह से रोडवेज बसें भी खाली ही दिखाई दे रही हैं। मौसम विभाग का कहना है कि एक फरवरी से प्रदेश में एक और पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हो रहा है, जिससे एक से तीन फरवरी के दौरान पश्चिमी और पूर्वी हिस्सों में बारिश की संभावना बनेगी।

हरियाणा कांग्रेस ने एसआईआर के लिए मॉनिटरिंग कमेटी का गठन किया

गुरुग्राम (एजेंसी)। हरियाणा कांग्रेस कमेटी ने मतदाता सूची के विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) की निगरानी और प्रभावी समीक्षा के लिए राज्य स्तरीय क्रिया एवं मॉनिटरिंग कमेटी का गठन कर दिया है। इस कमेटी में प्रदेश अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह, नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा, सह प्रभारी जितेंद्र बघेल और प्रफुल्ल गुडथे, विधायक बी बी बतरा, पूर्व सीपीएस चौधरी रामकिशन गुर्जर और रणधीर राणा वकील शामिल हैं। हरियाणा प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष सिंह ने बताया कि यह कदम उच्च कमान के दिशा-निर्देशों के अनुरूप उठाया गया है। कमेटी का उद्देश्य मतदाता सूची में संभावित कमियों, गड़बड़ियों और अनियमितताओं की गहन जांच करना है। इसके साथ ही जनता में व्यापक जागरूकता फैलाने के प्रयास किए जाएंगे, ताकि कोई भी पात्र मतदाता अपने मताधिकार से वंचित न रहे। हरियाणा प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष सिंह ने कहा कि एसआईआर एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है, जिसका मकसद मतदाता सूची को सटीक और शुद्ध बनाना है। अगर इस प्रक्रिया में कोई पक्षपात या अनुचित कदम उठाए जाते हैं, तो कांग्रेस उसका कड़ा विरोध करेगी। कमेटी राज्य स्तर पर समन्वय बनाए रखते हुए जिला और बूथ स्तर पर सक्रिय निगरानी सुनिश्चित करेगी, ताकि आम नागरिकों के मताधिकार की रक्षा हो सके। कांग्रेस पार्टी का यह प्रयास लोकतंत्र की मूल भावना को मजबूत करने और मतदाताओं के हितों की सुरक्षा के लिए है। पार्टी ने कार्यकर्ताओं से अपील की है कि वे इस अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाएं और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत दें।

पीएम मोदी के नेतृत्व में बन रहे समृद्ध, आत्मनिर्भर भारत की प्रक्रिया को गति देगा बजट

-केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने छत्तीसगढ़ दौरे में किया दावा

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शनिवार को कहा कि आगामी केंद्रीय बजट पीएम मोदी के नेतृत्व में बन रहे समृद्ध, आत्मनिर्भर और विकसित भारत की प्रक्रिया को गति देगा। केंद्रीय मंत्री चौहान छत्तीसगढ़ के रायपुर में यह बात कही, जहां से वे दुर्ग का दौरा करने और स्थानीय किसानों से बातचीत पहुंचे। चौहान ने कहा कि पीएम मोदी के मार्गदर्शन में एक समृद्ध, आत्मनिर्भर और विकसित भारत का निर्माण हो रहा है।

जानकारी के मुताबिक केंद्रीय बजट 2026-27 वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा रविवार को पेश किया जाएगा। इस साल बजट प्रस्तुति सप्ताहांत में पड़ रही है। वित्त मंत्री सीतारमण 1 फरवरी को लगातार नौवीं बार केंद्रीय बजट पेश करने जा रही हैं, जो भारत के संसदीय और आर्थिक इतिहास में एक अहम उपलब्धि होगी। इसके अलावा चौहान ने कहा कि छत्तीसगढ़ युवा प्रगतिशील किसान संघ द्वारा अपनाई जा रही कृषि पद्धतियों की समीक्षा करेंगे। उन्होंने कहा कि

छत्तीसगढ़ प्रगतिशील कृषि के लिए व्यापक रूप से मान्यता प्राप्त है और राज्य के प्रगतिशील किसानों ने उन्हें लंबे समय से अपने काम को देखने के लिए आमंत्रित किया था।

उन्होंने कहा कि आज मैं किसानों से बातचीत करने के लिए छत्तीसगढ़ की इस पवित्र भूमि पर आया हूं। मैं दुर्ग जिले के किसानों से मिलूंगा, जहां अत्यधिक प्रगतिशील कृषि पद्धतियां अपनाई जाती हैं। छत्तीसगढ़ युवा प्रगतिशील किसान संघ लंबे समय से मुझे अपने काम को देखने के लिए आमंत्रित करता रहा है और आज मैं ऐसा करूंगा। मैं उनसे चर्चा भी करूंगा और बाद में किसान मेले में भाग लूंगा, क्योंकि किसान मेला सरकार और किसानों के बीच संवाद का सेतु का काम करता है।

उन्होंने कहा कि युवा नेता संवाद पहल के तहत पहले दिल्ली का दौरा कर चुके युवाओं को भी इस संवाद में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया है। चौहान ने कहा कि युवा नेताओं के संवाद की पहल के तहत, यहां के कुछ युवा दिल्ली गए थे, और मैंने उन्हें भी आमंत्रित किया है, क्योंकि युवाओं के पास कई तरह के विचार होते हैं और मैं उनसे भी बातचीत करूंगा।

भारत-पाक सीमा के पास फिर दिखा ड्रोन

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास एक बार फिर ड्रोन की गतिविधि सामने आई है। शुक्रवार शाम सांबा जिले के रामगढ़ सेक्टर में भारतीय सीमा के भीतर एक संदिग्ध ड्रोन उड़ता हुआ देखा गया। ड्रोन कुछ मिनटों तक इलाके में मंडराता रहा और फिर वापस गायब हो गया। घटना के बाद सुरक्षा बलों ने पूरे क्षेत्र में सतर्कता बढ़ा दी है और सघन निगरानी शुरू कर दी गई है। सूत्रों के अनुसार, ड्रोन को शाम के समय सीमा के नजदीक उड़ते हुए देखा गया, जिसके बाद तुरंत सेना और अन्य सुरक्षा एजेंसियों को सूचना दी गई।

ड्रोन की गतिविधि को देखते हुए सीमावर्ती इलाकों में तलाशी अभियान चलाया गया, हालांकि फिलहाल किसी संदिग्ध वस्तु या सामग्री के मिलने की पुष्टि नहीं हुई है। सुरक्षा एजेंसियां यह पता लगाने की कोशिश कर रही हैं कि ड्रोन उड़ाए जाने का उद्देश्य क्या था और वह किस दिशा से आया था। सुरक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि ड्रोन का इस्तेमाल सीमापार से हथियार, नशीले पदार्थ या अन्य संदिग्ध सामग्री गिराने के लिए किया जा सकता है, या फिर भारतीय सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी के उद्देश्य से किया जा रहा हो। इसी को ध्यान में रखते हुए सीमा सुरक्षा बल और सेना ने बॉर्डर पर इलेक्ट्रॉनिक निगरानी, नाइट विजन उपकरणों और एंटी-ड्रोन सिस्टम को और मजबूत किया है। स्थानीय प्रशासन ने सीमावर्ती गांवों में रहने वाले लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है। सुरक्षा बलों ने आम नागरिकों से अपील की है कि अगर उन्हें किसी संदिग्ध वस्तु या गतिविधि की जानकारी मिले तो तुरंत पुलिस या नजदीकी सुरक्षा चौकी को सूचित करें।

सीमा पर ड्रोन देखे जाने की यह छठी घटना

गौरतलब है कि पिछले 15 दिनों के भीतर जम्मू क्षेत्र में सीमा के पास ड्रोन देखे जाने की यह छठी घटना है। इससे पहले 17 जनवरी की शाम को भी लाइन ऑफ कंट्रोल (एलओसी) से सटे रामगढ़ सेक्टर में एक ड्रोन नजर आया था। उस दौरान भारतीय सेना की ओर से की गई जवाबी कार्रवाई के बाद ड्रोन पाकिस्तान की ओर लौट गया था। लगातार हो रही ऐसी घटनाओं ने सुरक्षा एजेंसियों की चिंता बढ़ा दी है।

मुसलमानों को गाली देने से भारत हिंदू राष्ट्र नहीं बनेगा

-धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने बांदा में भरी हुंकार

बांदा (एजेंसी)। बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने उत्तरप्रदेश के बांदा में आयोजित एक धार्मिक कार्यक्रम में हिंदू समाज को महत्वपूर्ण संदेश दिया। उन्होंने कहा कि मुसलमानों को गाली देने या किसी दूसरे समुदाय को निशाना बनाने से भारत हिंदू राष्ट्र नहीं बनेगा। अपने संबोधन में शास्त्री ने कहा कि पहले हिंदुओं को अपनी कुरीतियों और आंतरिक खामियों को सुधारने की जरूरत है। तभी समाज में शांति, एकता और सौहार्द स्थापित होगी।

दिव्य हनुमंत कथा के 10 दिन बाद एक बार फिर से धीरेंद्र शास्त्री शुक्रवार को बांदा पहुंचे। वे खुरहंद स्टेशन स्थित सदर विधायक प्रकाश द्विवेदी के आवास पर आयोजित सुंदरकांड व हनुमान चालीसा पाठ कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने कहा, हिंदू मेरी एक बात नोट कर लें, मुसलमानों को गालियां देकर हिंदू राष्ट्र नहीं बनेगा। हिंदुओं को अपनी कुरितियां सुधारी पड़ेंगी, तभी भारत हिंदू राष्ट्र बनेगा। जो हमारे सनातन में कमियां है, उस दूर किया जाएगा, तभी बनेगा और भारत को हिंदू राष्ट्र बनाने का एक ही उपाय है। वह है, जात-पात की करो विदाई, हम सब हिंदू भाई-भाई।

बागेश्वरधाम के पीठाधीश्वर ने कहा कि उनके यहां तीन बार हूं.. हूं.. और तलाक, हमारे यहां तो जब तक 20 से 25 बार पेशी न हो जाए तब तक तलाक नहीं होता है। उसमें कोई बुराई नहीं है। अच्छी बात है कायदे में रहते हैं, तब फायदे में रहते है।

धीरेंद्र शास्त्री ने कहा कि हमारा काम है दर पर जाना, उनका काम है बिगड़ी बनाना और परमात्मा का काम है सब कुछ संभालना। एक बात याद रखना, अगर तुम भगवान पर भरोसा रखते हो, तब वह तुम्हारा भरोसा कभी टूटने नहीं देगा। अगर तुम बीच में अलीउल्लाह वालों के पास चले जाओ, कभी चादर चढ़ाने लगाते हो, कभी कैंडिल जलाने लगो और फिर कहते हो कि हनुमान कृपा नहीं कर रहे। पूरी तरह भगवान पर छोड़ दो या फिर सच में भगवान पर ही छोड़ दो।

दिल्ली विस्फोट जांच में खुलासा, कॉफी चेन के आउटलेट्स को निशाना बनाना चाहते थे

-पूछताछ में पता चला आतंकी समूह के अंदर ही टारगेट को लेकर था मतभेद

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली विस्फोट की जांच में एक नया पहलू सामने आया है। केंद्रीय जांच एजेंसियां इस बात की पड़ताल कर रही हैं कि आतंकी मॉड्यूल ने दिल्ली समेत देश के बड़े महानगरों में एक वैश्विक कॉफी चेन के आउटलेट्स को निशाना बनाने की योजना बनाई थी। जांच से जुड़े सूत्रों के मुताबिक आरोपियों का मानना था कि यह ब्रांड यहूदी प्रभाव का प्रतीक है, क्योंकि इसके वैश्विक विस्तार के दौर में कंपनी का नेतृत्व एक यहूदी मुख्य कार्यकारी अधिकारी के हाथों में था।

मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि यह संभावित हमला इजराइल के गाजा में सैन्य अभियानों के खिलाफ एक राजनीतिक संदेश देने के उद्देश्य से बनाया गया था। यह जानकारी आठ आरोपियों से लंबी पूछताछ के बाद सामने आई है, जिनमें तीन मेडिकल प्रोफेशनल भी शामिल हैं। इनमें जम्मू-कश्मीर के मुजामिल अहमद गनई और

आदिल अहमद राथर, और यूपी के शाहीन सईद शामिल हैं। पूछताछ में इन लोगों ने बताया कि आतंकी समूह के अंदर ही टारगेट को लेकर गहरा मतभेद था। कुछ सदस्य नागरिक ठिकानों पर हमला करने के खिलाफ थे और चाहते थे कि साजिश को केवल जम्मू-कश्मीर में सुरक्षाबलों तक सीमित रखा जाए।

हालांकि, जांच एजेंसियों के मुताबिक कार बम हमलावर उमर-उन-नबी, जो धमाके में मारा गया, घाटी के बाहर बड़े और हाई-प्रोफाइल ठिकानों को निशाना बनाने पर जोर दे रहा था ताकि हमले का प्रभाव अंतरराष्ट्रीय स्तर पर महसूस किया जाए। एजेंसियों का मानना है कि उमर और उसके सहयोगी मेट्रो शहरों में कॉफी चेन के आउटलेट्स पर हमले को अपने कथित संदेश को वैश्विक बनाने का जरिया मानते थे। धमाके के सात दिन बाद एनआईए ने जासिर वानी को गिरफ्तार किया, जिसे उसकी तकनीकी विशेषज्ञता के चलते नेटवर्क में शामिल किया गया था। वानी पर ड्रोन को हथियार में बदलने और हमास-शैली के हमलों की योजना में शामिल होने का आरोप है।

जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपी प्रतिबंधित आतंकी संगठन अंसार गजवत-उल-हिंद से जुड़े थे और आतंकी गतिविधियों को वैश्विक संघर्षों से जोड़ने वाली कट्टरपंथी सोच से प्रेरित थे। एनआईए अब जांच कर रही है कि कॉफी चेन पर हमले की योजना केवल चर्चा तक सीमित थी या इसके लिए रेकी और ठोस तैयारी भी की गई थी।

जुबीन गर्ग मौत मामला: आरोपी महिला का दावा कहा- मुझसे रूम शेयर करने को कहा गया था

गुवाहाटी (एजेंसी)। संगीत जगत की मशहूर हस्ती जुबीन गर्ग की सितंबर 2025 में सिंगापुर में हुई रहस्यमयी मौत के मामले में कानूनी कार्रवाई तेज हो गई है। शुक्रवार को गुवाहाटी सत्र न्यायालय ने मामले की संवेदनशीलता और आरोपों की गंभीरता को देखते हुए तीन प्रमुख आरोपियों को राहत देने से साफ इनकार कर दिया। अदालत ने मुख्य आरोपी संगीतकार अमृतप्रभा महंता और जुबीन गर्ग के दो व्यक्तिगत सुरक्षा अधिकारियों (पीएसओ) की जमानत याचिकाएं खारिज कर दी हैं।

वहीं अपनी बेल याचिका में महंता के वकील ने कहा कि उन्होंने असम और उसके बाहर गर्ग के साथ परफॉर्म किया था और उनके कहने पर वह सिंगापुर में फेस्टिवल के लिए उनके साथ गई थीं। वह 29 साल की महंता के लिए पिता जैसे थे। इसमें कहा गया है कि पहुंचने के बाद उन्हें पता चला कि उन्हें गर्ग के साथ वही कमरा दिया गया है और वह विदेश में कमरे के इस अलॉटमेंट पर कोई आपत्ति नहीं कर सकती थीं और क्योंकि उन्हें अपने पिता जैसे व्यक्ति के साथ उसी कमरे में रहने के लिए कहा गया था, इसलिए वह उसी कमरे में रहीं। उन्हें पिछले दिन तक यॉट राइड के बारे में पता नहीं था।

सत्र न्यायाधीश ने अमृतप्रभा महंता की याचिका पर सुनवाई करते हुए टिप्पणी की कि उनके खिलाफ लगाए गए आरोप अत्यंत गंभीर प्रकृति के हैं, जिनमें कानून के तहत मृत्युदंड या आजीवन कारावास तक की सजा का प्रावधान है। अदालत ने अभियोजन पक्ष के तर्कों से सहमति जताते हुए माना कि प्रथम दृष्टया ऐसे साक्ष्य मौजूद हैं जो दर्शाते हैं कि महंता ने अन्य आरोपियों के साथ मिलकर एक ऐसी आपराधिक साजिश रची, जिसके कारण अंततः जुबीन गर्ग की मृत्यु हुई। महंता उन चार मुख्य आरोपियों में शामिल हैं, जिन पर सिंगापुर में गर्ग की मौत के सिलसिले में हत्या का आरोप दर्ज किया गया है। उल्लेखनीय है कि जुबीन गर्ग सितंबर 2025 में नॉर्थ ईस्ट इंडिया फेस्टिवल में प्रस्तुति देने के लिए सिंगापुर गए थे। उनके साथ इस मामले में उत्सव के आयोजक श्यामकानु महंता, मैनेजर सिद्धार्थ शर्मा और संगीतकार शेखर ज्योति गोस्वामी भी आरोपी हैं। सुनवाई के दौरान महंता के वकील ने दलील दी कि वह जुबीन को पिता समान मानती थीं और उनके साथ कई शो कर चुकी थीं। उन्होंने तर्क दिया कि होटल में कमरा आवंटन उनकी मर्जी से नहीं हुआ था और विदेश में अकेले होने के कारण वे वहां आपत्ति नहीं कर सकीं।

हालांकि, पुलिस की चार्जशीट में उन पर बेहद गंभीर आरोप लगाए गए हैं। आरोप है कि महंता ने सिंगापुर के होटल में जुबीन को अत्यधिक शराब पीने के लिए उकसाया और उनके गिरते स्वास्थ्य के बारे में परिजनों या मैनेजर को सूचित नहीं किया। साथ ही, उन पर गंभीर नशे की हालत में जुबीन को बिना लाइफ जैकेट के समुद्र में उतरने के लिए प्रोत्साहित करने का भी आरोप है। दूसरी ओर, जुबीन के दो पीएसओ—नंदेश्वर बोराह और परेश बैश्य—पर आपराधिक साजिश के साथ-साथ विश्वासघात और जुबीन के पैसों के गबन का आरोप है। कोर्ट ने इसे समाज पर बुरा प्रभाव डालने वाला गंभीर अपराध करार दिया। यह मामला अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी चर्चा में रहा है क्योंकि सिंगापुर और भारत की जांच रिपोर्टों में विरोधाभास है।

कांग्रेस ने उठाया सवाल... क्या बजट के आंकड़े पेश होने के तुरंत बाद संशोधित किए जाएंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर नीति निर्धारण में समन्वय की कमी का आरोप लगाकर सवाल उठाया है कि क्या बजट के आंकड़े पेश होने के तुरंत बाद संशोधित किए जाएंगे। यह चिंता इसलिए है क्योंकि बजट के कुछ ही दिन बाद सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) और उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) की नई श्रृंखला जारी होगी।

कांग्रेस के संचार प्रभारी और राज्यसभा सांसद महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि वित्त वर्ष 2026-27 का बजट 1 फरवरी 2026 को पेश होगा। उन्होंने 'एक्स' पर लिखा कि राज्य सरकारें इस बात को लेकर अनिश्चित हैं कि बजट में उनके लिए क्या प्रावधान होने वाले हैं, क्योंकि वित्त मंत्री 16वें वित्त आयोग की सिफारिशें लागू करने की घोषणा करने वाली हैं। वित्त आयोग संविधान के अनुच्छेद 280 के तहत हर पांच वर्षों में बनता है और यह केंद्र द्वारा एकत्र किए गए कर राजस्व में राज्यों की हिस्सेदारी, उसके वितरण और विशेष अनुदान तय करता है। 16वां वित्त आयोग 2026-27 से 2030-31 तक की अवधि से संबंधित है।

कांग्रेस नेता रमेश ने दो प्रमुख चिंताओं का जिक्र किया। पहली यह कि कई बजट आंकड़े जीडीपी के प्रतिशत के रूप में पेश किए जाएंगे, जबकि 27 फरवरी 2026 को जीडीपी की नई श्रृंखला जारी होने वाली है। दूसरी चिंता सीपीआई की है, जिसकी नई श्रृंखला 12 फरवरी 2026 को जारी होगी। इसमें खाद्य कीमतों की हिस्सेदारी में गिरावट आ सकती है, जिससे बजट के आंकड़ों पर असर पड़ेगा। इसके अलावा, थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) में भी संशोधन किया जा रहा है।

कांग्रेस नेता रमेश ने कहा कि यह सभी परिस्थितियां नीति निर्माण में तालमेल की कमी को दिखाती हैं। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण अपना रिकॉर्ड नौवां बजट पेश करेंगी, जिसमें दो अंतरिम बजट भी शामिल हैं। कांग्रेस का तर्क है कि बजट आंकड़े और नई आर्थिक श्रृंखलाओं के बीच अंतर से राज्यों और नीति निर्माताओं के लिए असमंजस पैदा हो सकता है।

आज हो जाएं आम चुनाव... पूर्ण बहुमत से चौथी बार लौटेगी मोदी सरकार

-55 प्रतिशत लोगों ने नरेंद्र मोदी को मना पीएम पद का दावेदार

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में आज अगर लोकसभा चुनाव हो जाएं, तब राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की सीटें बढ़कर 352 होगी। इतना ही नहीं बीजेपी की सीटें भी बढ़कर 287 होगी। इसतरह बीजेपी अपने दम पर बहुमत हासिल करती दिख रही है। एक ताजा सर्वे में ये नतीजे निकलकर आए हैं। वोट प्रतिशत के अुनसार मौजूदा समय में चुनाव होने पर एनडीए को 47 फीसदी का फायदा होता दिख रहा है। इंडिया ब्लॉक को 39 फीसदी, और अन्य को 14 फीसदी वोट मिलते दिख रहे है।

ये सर्वे 8 दिसंबर 2025 से 21 जनवरी 2026 के बीच कराया गया है। हर आयु वर्ग जाति, धर्म, लिंग वाले 36 हजार 265 लोग इस सर्वे में शामिल हुए। सर्वे में पूछा गया कि अगर आज लोकसभा चुनाव हो जाएं तब किस गठबंधन को कितनी सीटें मिलेंगी? सर्वे में सामने आया कि एनडीए को 352 सीटें मिलने का अनुमान है, जबकि इंडिया ब्लॉक को 182 सीटें मिल सकती हैं, जबकि अन्य के खाते में 9 सीटें जा सकती हैं। हालांकि 2024 में हुए लोकसभा चुनाव में एनडीए को 293 सीटें मिली थीं, जबकि इंडिया ब्लॉक के खाते में 234 सीटें आई थीं। अगस्त 2025 में सर्वे किया गया था, जिसमें एनडीए को 324 सीटें और इंडिया ब्लॉक को 208 सीटें मिलने का अनुमान था।

गठबंधन के हिसाब से वोट शेयर की बात करें तब सर्वे के मुताबिक एनडीए गठबंधन को 47 प्रतिशत, इंडिया ब्लॉक को 39 प्रतिशत और अन्य को 14 प्रतिशत वोट शेयर मिल सकता है। 2024 में हुए लोकसभा चुनाव में एनडीए को 43 प्रतिशत वोट शेयर मिला था, जबकि इंडिया ब्लॉक को 40 प्रतिशत वोट मिला था। वहीं अगस्त में हुए सर्वे में एनडीए को 47 प्रतिशत और इंडिया ब्लॉक को 41 प्रतिशत वोट शेयर मिलने का अनुमान था।

सर्वे में पूछा गया कि अगर आज लोकसभा चुनाव होने पर किस पार्टी को कितनी सीटें मिलेंगी। सर्वे में सामने आया कि बीजेपी को 287, कांग्रेस 80 और अन्य को 176 सीटें मिलने का अनुमान है। 2024 में हुए लोकसभा चुनाव में बीजेपी को 240 सीटें, कांग्रेस 99 सीटें मिली थीं। अगस्त में हुए सर्वे में बीजेपी को 260 सीटें और कांग्रेस को 97 सीटें मिलने का अनुमान था। सर्वे के मुताबिक अगर आज चुनाव होते हैं, तब बीजेपी के खाते में 41 प्रतिशत, कांग्रेस के खाते में 20 प्रतिशत और अन्य के खाते में 39 प्रतिशत वोट जा सकते हैं।

वहीं सर्वे में लोगों से पूछा गया कि अगले प्रधानमंत्री के तौर पर सबसे बेहतर चेहरा कौन सा होगा? इस पर 55 फीसदी लोगों ने नरेंद्र मोदी को चुना। जबकि 27 फीसदी ने राहुल गांधी को पीएम पद का दावेदार बताया। इससे पहले अगस्त 2025 में सर्वे में 52 फीसदी लोगों ने नरेंद्र मोदी को, और 25 फीसदी लोगों ने राहुल गांधी को पसंद बताया था। सर्वे में लोगों से पूछा गया कि देश का अब तक का सबसे बेहतर प्रधानमंत्री कौन है। इस सवाल के जबाव में 50 फीसदी लोगों ने पीएम मोदी को अपनी

पसंद बताया। जबकि 12 फीसदी लोगों ने इंदिरा गांधी को देश की अब तक की सबसे बेहतर प्रधानमंत्री और अटल बिहारी वाजपेयी को भी 12 फीसदी लोगों ने अब तक का सबसे बेहतर पीएम बताया।